राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 151 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये रायपुर, गुरूवार 04 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

मुख्यमंत्री साय का दूसरा जनदर्शन आज

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का दूसरा जनदर्शन गुरुवार 4 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री साय प्रदेश भर से आए नागरिकों से सीधे संवाद करेंगे एवं उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन भी लेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह से मुख्यमंत्री निवास में जनदर्शन का आयोजन आरंभ हुआ है। इसमें बड़ी संख्या में नागरिक गणों ने हिस्सा लिया, और मुख्यमंत्री को अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन भी सौंपे। सभी आवेदनों को मुख्यमंत्री स्वयं देखे और इनका शीघ्र निराकरण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए द्य जनदर्शन में दिव्यांग जनों को भी त्वरित सहायता प्रदान की गई। पिछले जनदर्शन में आए सभी नागरिकों को टोकन प्रदान किए गए और उनके आवेदन जनदर्शन के पोर्टल में अपलोड किए गए हैं तथा इस पर तेजी से कार्रवाई की जा रही है।

आतंकवाद का पूरी तरह से खात्मा करेगी सीआरपीएफ

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में अगले तीन वर्षों के दौरान आतंकवाद को जड़ से खत्म करना, इस प्लान पर काम शुरू हो गया है। विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य की एजेंसियां, इस टारगेट को पूरा करने में जुट गई हैं। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने की बात कही जा रही है। सूत्रों का कहना है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे में आखिरी कील सीआरपीएफ ठोकेगी। इसके लिए एक दर्जन से अधिक जगहों पर सीआरपीएफ की बटालियन कैंपिंग साइट 'बीसीएस' स्थापित की जा रही हैं। इसके लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन द्वारा सीआरपीएफ को जमीन अलॉट करने की प्रकिया शुरू हो गई है।

योगी बोले- यह साजिश जैसा ; अब तक 122 मौतें

हाथरस हादसा: मैं निकल गया था, अराजक तत्वों ने भगदड़ कराई-बाबा

हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में भगदड़ के 24 घंटे बाद भोले बाबा का पहला बयान आया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह के जरिए लिखित बयान जारी किया। जिसमें लिखा, समागम से मेरे निकलने के बाद हादसा हुआ। असामाजिक तत्वों ने भगदड़ मचाई है। इन लोगों के खिलाफ लीगल एक्शन लूंगा। घायलों के स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सत्संग के बाद हुई भगदड़ में अब तक 122 लोगों की मौत हुई है। 4 जिलों- हाथरस, अलीगढ़, एटा और आगरा में रातभर शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ। परिजन अपनों की लाश को लेकर इधर-उधर भटकते रहे। प्रशासन ने अब तक 121 मौत की पुष्टि की है।

हादसा मंगलवार दोपहर 1 बजे फुलरई गांव में हुआ। बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे सीएम योगी भी हाथरस पहुंचे। जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। घटनास्थल गए। अफसरों से पूरे हादसे की जानकारी ली।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- यह हादसा साजिश जैसा है। लोग मरते गए। सेवादार वहां से भाग गए। उन्होंने न तो प्रशासन को सूचना दी और न ही मदद की। प्रशासन की टीम जब पहुंची तो सेवादारों ने उन्हें आगे जाने नहीं दिया। हमने भी कुंभ जैसे बड़े आयोजन किए, लेकिन ऐसी चीजें नहीं हुईं।

सीएम ने कहा- जांच के लिए स्ढ्ढञ्ज का गठन किया है। हाईकोर्ट के रिटायर जज, पुलिस के सीनियर रिटायर ऑफिसर की टीम भी मामले की जांच करेगी, जो भी दोषी होगा, उसको सजा देंगे।

मंगलवार देर रात हादसे में 22 लोगों के खिलाफ सिकंदराराऊ थाने के दरोगा ने स्नढ्ढक्र दर्ज कराई। इसमें मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर का नाम है। बाकी सब अज्ञात हैं। चौंकाने वाली बात है कि इसमें मुख्य आरोपी भोले बाबा उर्फ हरि नारायण साकार का नाम ही नहीं है। हादसे के बाद से बाबा अंडरग्राउंड हो गया। पुलिस रातभर उसकी तलाश में छापेमारी करती रही। मैनपुरी में बाबा के आश्रम में पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला। मैनपुरी में आश्रम के बाहर पुलिस तैनात है।

ऐसे हुआ हादसा- सत्संग खत्म होने के बाद भोले बाबा निकले, तो चरण रज लेने के लिए महिलाएं टूट पड़ीं। भीड़ हटाने के लिए वॉलंटियर्स ने वाटर कैनन का उपयोग किया। बचने के लिए भीड़ इधर-उधर भागने लगी और भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे को रौंदते हुए आगे बढ़ने लगे।

प्रशासन ने सत्संग के लिए 80 हजार लोगों की अनुमति दी थी, लेकिन ढाई लाख लोग पहुंच गए थे। भगदड़ हुई तो सेवादार गेट पर खड़े हो गए। उन्होंने लोगों को रोक दिया। इसके बाद भीड़ खेतों में तरफ भीड़ मुड़ गई और नीचे बैठे और झुके श्रद्धालुओं को कुचलती हुई निकल गई।

पीआईएल दायर कर हादसे की सीबीआई जांच की मांग

हाथरस हादसे में प्रशासन की पहली रिपोर्ट सामने आई। इसमें कहा गया है कि हादसा भोले बाबा के चरणों की धूल लेने की वजह से हुआ। बाबा के सेवादारों ने लोगों से धक्का-मुक्की की। इससे भगदड़ मच गई। इधर, प्रयागराज के वकील गौरव द्विवेदी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में पीआईएल दायर करके हादसे की सीबीआई जांच की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट में वकील विशाल तिवारी ने एक पीआईएल दाखिल की। इसमें रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में 5 विशेषज्ञों की कमेटी बनाकर जांच की मांग की गई है।

23 वर्ष पहले आगरा में गिरफ्तार हो चुके हैं भोले बाबा, साथ में पकड़े गए थे छह और साथी

उत्तर प्रदेश के आगरा से साकार हरि बाबा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। वर्ष 2000 में भोले बाबा आगरा में गिरफ्तार किए गए थे। चमत्कारी उपचार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। 224/2000 मुकदमा संख्या है। मामले में भोले बाबा सहित सात लोग गिरफ्तार किए गए थे। हालांकि उस समय साक्ष्यों के अभाव में कोर्ट से बरी हो गए थे। दिसंबर 2000 में इस केस में एफआर लग चुकी है।

जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव का बड़े हर्ष और उल्लास के साथ समापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुद्ध भक्तियोग परिवार, इंद्रप्रस्थ विस्तार द्वारा रविवार 30 जून को तीसरी श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव का बड़े हर्ष और उल्लास के साथ समापन हुआ। जिसके अंतर्गत तीन दिवसीय श्री जगन्नाथ कथा और अंतिम दिवस भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन हुआ। रथ यात्रा के प्रारंभ से पहले पूज्यपाद राधानाथ प्रभु ने रथ यात्रा की महिमा और श्री जगन्नाथ, बलदेव, देवी सुभद्रा के विशेष रूप धारण करने के रहस्य और पुरी में स्तिथ श्री जगन्नाथ मंदिर के इतिहास से सब को अवगत कराया।

इस बार की श्री जगन्नाथ रथ यात्रा बहुत विशेष रही। रथ यात्रा का शुभ आरंभ माननीय हर्ष मल्होत्रा जी (केंद्रीय राज्य मंत्री) के द्वारा किया गया। इस बार देश के विभिन्न राज्यों से भक्तो ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। रथ यात्रा मार्ग भक्तो के द्वारा हरे कृष्ण महामंत्र कीर्तन से गूंज उठा और वैदिक ग्रंथों का वितरण हुआ। बड़ी संख्या में भक्तो ने रात्रि प्रसाद का लाभ उठाया। आम्रपाली एवं आर्य नगर निवासियों के सहयोग से रथ यात्रा अच्छे से सम्पन हुई।

राज्यसभा में पीएम मोदी की स्पीच, विपक्ष का वॉकआउट

पेपर लीक के दोषियों को छोड़ेंगे नहीं; मणिपुर की स्थिति सामान्य हो रही -पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। 1 घंटा 50 मिनट की स्पीच में प्रधानमंत्री **NEET**, मणिपुर संविधान, कांग्रेस, पश्चिम बंगाल, रोजगार, भ्रष्टाचार, **CBI-ED**, फेडरलिज्म, इमरजेंसी, जम्मू-कश्मीर, इंदिरा, राहुल, दलितों पर बोले।

प्रधानमंत्री मोदी जब 32 मिनट बोल चुके थे, तब विपक्ष के नेताओं ने सदन से वॉकआउट किया। वॉकआउट प्रधानमंत्री द्वारा सोनिया गांधी पर निशाना साधने के बाद हुआ। उन्होंने कहा- ये लोग ऐसे हैं, जो ऑटो पायलट और रिमोट पायलट पर सरकार चलाने के आदी हैं। वे काम करने में विश्वास नहीं रखते, वे बस इंतजार करना जानते हैं।

इस पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बोले- ये लोग मुझे नहीं, संविधान को पीठ दिखा रहे हैं। पीएम ने कहा- कल उनकी सारी हरकतें फेल हो गईं, इसलिए वे मैदान छोड़कर भाग गए। नारे लगाना, चिल्लाना और भाग जाना, यही उनकी नियति है।

पेपर लीक एक बड़ी समस्या है। मेरी इच्छा थी, सारे दल इस पर अपनी राय रखते। लेकिन यह मुद्दा भी इन्होंने राजनीति की भेंट चढ़ा दी। मैं देश के नौजवानों को आश्वस्त करता हूं कि आपको धोखा देने वालों को यह सरकार छोड़ने वाली नहीं है। इन्हें सख्त सजा मिले, इसलिए एक के बाद एक एक्शन लिए जा रहे हैं। हमने इसके लिए सख्त कानून बनाया है।

मणिपुर में लगातार हिंसक घटनाएं कम हो रही हैं। स्कूल-कॉलेज, दफ्तर और अन्य संस्थान चल रहे हैं।

भाजपा एमपी कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली महिला कर्मी का ट्रांसफर, सस्पेंड हैं कुलविंदर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत को शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट चंडीगढ़ पर थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ महिला जवान का तबादला किया गया है। महिला कर्मी कुलविंदर कौर को चंडीगढ़ एयरपोर्ट से बेंगलूरु ट्रांसफर किया गया है। हालांकि अभी तक महिला जवान को बहाल नहीं किया गया है।

कुलविंदर कौर अभी ड्यूटी से सस्पेंड चल रही हैं और उनके खिलाफ विभागीय जांच जारी है। शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट चंडीगढ़ पर 7 जून को हिमाचल के मंडी से भाजपा सांसद व बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) की महिला जवान कुलविंदर ने थप्पड़ मार दिया था। कंगना रनौत थप्पड़ कांड के बाद सीआईएसएफ की महिला जवान कुलविंदर को सस्पेंड कर दिया गया था। सूत्रों की मानें तो इस थप्पड़ कांड की जांच के लिए स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई थी। एसआईटी ने मामले की जांच पूरी कर ली है और रिपोर्ट अधिकारियों को सौंप दी है।

चेक डेम नहीं काल बनाये हो - खजुरी ग्रामीण

घटिया निर्माण रोकने नाकाम साबित हो रहा पंचायत एवं ग्रामीण विभाग

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा जिसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को ग्राम में ही पूरे वर्ष में कम से कम 150 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराना है तथा पलायन को पूर्णता रोकना है। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सरकार द्वारा स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के रोजगार उपलब्ध कराने हेतु कार्य कराए जाते हैं तथा प्रति वर्ष योजना में करोड़ों रुपए का सरकार द्वारा ब्यय किया जाता है एवं ग्रामीण परिवेश में इस योजना के सफल क्रियान्वयन का पूर्णता दायित्व जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत की निगरानी मे होता है ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी इस योजना के सफल संचालन एवं भुगतान के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होते है साथ ही साथ

जल संरक्षण एवं कृषि कार्यो को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार कई तरह की योजनाएं चला रही है। पानी की लगातार बढ़ती किल्लत ने लोगों की परेशानी धीरे-धीरे बढ़ना शुरू हो गया है। अब सरकार जल संचय को लेकर गंभीर नजर आ रही है। साथ ही, लोगों को जल के संचयन को लेकर जागरूक करने का भी प्रयास किया जा रहा है, लेकिन सरकारी योजनाओं के तहत जल संचयन व कृषि कार्य के लिए बनाए गए बड़े-बड़े चेकडैम के निर्माण में ठेकेदार ने जमकर लापरवाही बरती है। वैसे ही नया मामला जिला बलौदाबाजार भाटापारा के बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम पंचायत खजुरी में 12.29 लाख की लागत से चेकडैम निर्माण किया गया था नतीजा यह हुआ कि चेक डैम में व्यापक पैमाने पर अनियमितता की बात सामने आई है। चेक डैम में निर्माण गुणवत्ता का जनाजा निकला है।

लाखों की लागत से बना यह चेक डैम बरसात से पहले ही धराशाही होने जैसा प्रतीत हो रहा है । निर्माण गुणवत्ता में बरती घोर लापरवाही के कारण यह चेक डैम जगह-जगह से फट चुका है। इस चेक डैम के निर्माण में बेखौफ भ्रष्टाचार के सबूत झांक रहे हैं। प्रथम दृष्टि में देखने से ही साफहो जाता है कि चेक डैम के निर्माण में निर्माण गाइड लाइन के मुताबिक क्रशर बजरी का प्रयोग न करके खड्डु की बजरी व पत्थरों का प्रयोग किया गया है।

पत्थर निर्माण गाइड लाइन को नजर अंदाज करके जरुरत से ज्यादा डाले गए हैं। एक तरह से चेक डैम के निर्माण में भ्रष्टाचार के यह सबूत साबित करते हैं कि इस निर्माण कार्य में या तो सरकारी एजेंसी ने कोताही बरती है या फिर यह कार्य ही सरकारी एजेंसी की सरपरस्ती व मिलीभगती में हुआ है और खड्डु से मशीनों में भर कर रेत, गारा, बजरी, पत्थर वहीं चिन कर इस चेक डैम को बनाने की औपचारिकता पूरी कर दी गई थी। शायद इसी कारण से यह लाखों का चेक डैम बरसात से पहले ही खुद-ब-खुद घटिया निर्माण के चलते नष्ट-भ्रष्ट होने जैसा दिखाई पड़ रहा है।

फर्जी हाजरी का जांच हो-ग्रामीण

ग्राम पंचायत खजुरी के ग्रामीणो ने बताया कि ज़ब चेकडेम का कार्य चल रहा था तो उसमे ग्राम पंचायत खजुरी के एक व्यक्ति भी नहीं था ठेकेदार द्वारा कही बाहर से मजदूर ला के चेकडेम का कार्य कराया गया इसके साथ रोजगार सहायक एवं तकनिकी सहायक द्वारा आपसी समझौता करके फर्जी मास्टररोल निकाल कर फर्जी तरीके से गाँव के लोगो के हाज़री भरकर भुगतान किया गया है ग्रामीणों ने सिचाई की उक्त निर्माण कार्य में ठेकेदार एवं तकनीकी की ओर से भारी घालमेल और लूट खसोट करने की मौखिक शिकायत ग्रामीण कर रहे है।

निर्माण कार्य को सही करार देते हुए किया पास

हैरानी यह है कि जनपद पंचायत बलौदाबाजार के ग्रामीण यांत्रिकी विभाग व अन्य तकनीकी लोगों ने पंचायत द्वारा करवाए गए इस निर्माण कार्य को सही करार देते हुए पास भी किया है।

चेक डैम में हुए बेखौफ भ्रष्टाचार की शिकायत गांववासियों द्वारा मौखिक रूप से मीडिया के बीच किया है जिस पर कड़ी कार्रवाई होनी आपेक्षित है। करीब 40मीटर लम्बे एवं 3 मीटर चौड़ाई इस चेक डैम पर करीब 12.29 लाख की लागत बताई जा रही है। उधर ग्रामीण विकास की तकनीकी एजेंसी ने इस मामले पर कुछ भी बोलने से इन्कार किया है। इस चेक डैम को बनाने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत खजुरी की थी।ग्राम पंचायत खजुरी की देख-रेख में यह कार्य संपन्न हुआ है। इसमें बेखौफ भ्रष्टाचार हुआ है। बरसात के पहले ही चेक डैम के नष्ट होने व बड़ी-बड़ी दरारें पड़ने से यह साबित हुआ है कि इस चेक डैम के निर्माण में घोर कोताही बरती गई है। खड्डु की बजरी, रेत, गारा व पत्थर अब दरारों से झांक का साबित कर रहे हैं कि इस निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

पूर्व में भी इसी प्रकार की गुणवत्ताहीन निर्माण का नायाब नमूना आप सभी के बीच में लाया गया था जिसमें संबंधितों द्वारा पेंट पॉलिश कर पहुंचे जांच दल को गुमराह करते हुए मामले को ठन्डे बस्ते में डाल कर जांच पूरी कर दी जाती है।

आपको बता दे कि जनपद पंचायत क्षेत्र के भरसेला बड़ा व अन्य पंचायतो मे इसी प्रकार से सच्चाई को छुपाने का प्रयास किया था । अब देखने वाली बात यह होंगी की इन सभी मामलो पर प्रशासन क्या कार्रवाई करती है।

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने दिया इस्तीफा

हेमंत सोरेन फिर संभालेंगे राज्य की कमान

राज्यपाल को सौंपा विधायकों का समर्थन पत्र

रांची (एजेंसी)। जेल से बाहर निकलने के बाद एक बार फिर से हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बनेंगे। सीएम चंपाई सोरेन ने बुधवार शाम 7.20 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। चंपाई सिर्फ 152 दिन झारखंड के सीएम रहे। 2 फरवरी 2024 को वे सीएम बने थे।

चंपाई सोरेन ने कहा कि गठबंधन का जो फैसला था उसी के अनुसार मैंने काम किया। हेमंत सोरेन ने कहा कि चंपाई जी ने अपनी बात कह दी है। ये गठबंधन का फैसला है। इस दौरान उन्होंने महागठबंधन विधायक दल के विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल को सौंपा। अब राज्यपाल कभी भी हेमंत सोरेन को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित कर सकते हैं।

इससे पहले रांची में सीएम हाउस में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया है। सभी विधायकों को ष्टरू हाउस में ही रहने को कहा गया है।

चंपाई सोरेन बोले- ये गठबंधन का फैसला है

चंपाई सोरेन ने कहा कि गठबंधन का जो फैसला था उसी के अनुसार मैंने काम किया। हेमंत सोरेन ने कहा कि चंपाई जी ने अपनी बात कह दी है। ये गठबंधन का फैसला है।

बीते 12 वर्षों में 12 फीसदी से ज्यादा घटी गरीबी

एनसीएईआर के शोध पत्र में जताया गया अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बीते कुछ वर्षों में गरीबी कम होने के संकेत मिले हैं। आर्थिक मामलों के थिंक टैंक एनसीएईआर के एक शोध पत्र के अनुसार महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत में गरीबी 2011-12 के 21.2 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

एनसीएईआर (नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च) के सोनाल्दे देसाई की ओर से लिखे गए पेपर 'रिथिंकिंग सोशल सेफ्टी नेट्स इन ए चेंजिंग सोसाइटी' में भारत मानव विकास सर्वेक्षण (आईएचडीएस) के वेव 3 के डेटा के साथ-साथ आईएचडीएस के वेव्स 1 और वेव्स 2 के डेटा का उपयोग किया गया है।

आईएचडीएस के निष्कर्षों के अनुसार ... 2004-2005 और 2011-12 के बीच गरीबी में काफी गिरावट आई (38.6 से 21.2 के प्रति व्यक्ति अनुपात से) और महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद 2011-12 और 2022-24 (21.2 से 8.5) के बीच इसमें गिरावट जारी रही।' दस्तावेज में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि और गरीबी में गिरावट एक गतिशील माहौल बनाती है जिसके लिए फुर्तीले सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों की जरूरत होती है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय जनता पार्टी ने किया राहुल गांधी का पूतला दहन

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। जांजगीर चांपा जिले के भारतीय जनता पार्टी ने कार्यकर्ताओ की उपस्थिति मे नगर मंडल युवा मोर्चा जांजगीर के नेतृत्व मे राहुल गांधी का पूतला दहन किया विगत दिनो संसद भवन मे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने हिन्दुओ पर टिप्पणी करते हुए विवादित बयान दिया था जो करोड़ो हिन्दुओ की भावना को आहत करने वाला है उन्होंने कहा था कि जो अपने आप को हिन्दु कहते है वो चौबीसो घंटे अहिंसा नफ़रत व असत्य फैलाते है नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस बयान पर लोकसभा मे भारी हंगामा हुआ जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं खड़े होकर इस विचार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये विषय बहुत गंभीर है इसके लिए राहुल गांधी को देश के पुरे हिन्दु समाज से माफ़ी मांगनी चाहिए भारतीय जनता पार्टी ने आज पुरे देश मे इस घटना का विरोध करते हुए राहुल गांधी का पूतला जलाया इसी कड़ी मे जांजगीर नगर मंडल युवा मोर्चा व भारतीय जनता के कार्यकर्ताओ ने राहुल गांधी हाय हाय का नारा लगाते हुए आज कचहरी चौक मे पूतला दहन किया जिसमे प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकेश जायसवाल आशुतोष गोस्वामी जितेंद्र देवांगन हितेश यादव सुधीर झाझडिया दिनेश राठौर मोहन यादव मोतीलाल डहरिया गुडडु कहरा उमेश राठौर अमित यादव शिवचमन सिंह विवेक सिंह अनिल शर्मा गोलू दुबे पप्पू राठौर चुन्नीलाल राठौर अरूण गुप्ता पुष्पेनदर निर्मलकर रितेश अग्रवाल प्रदीप राठौर दिव्याश चंदेल सोनु यादव प्रदीप सोनी पंकज अग्रवाल अजित गढ़वाल चुन्नीलाल राठौर गजेंद्र राठौर प्रजेश सिंह कालू सेन छबि कश्यप सुरेंद्र यादव अजय कौशिक अमन सिंह त्रिलोक सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

19 अवैध कब्जाधारियों को नोटिस जारी, 24 घंटे के भीतर हटाने लेने की चेतावनी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत द्वारा वार्ड क्रमांक 57 बाम्बे अटल आवास के पास, उरला के करीब शासकीय भूमि ख.नं.94 भूमि पर सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापना कार्य किया जाना प्रस्तावित है,भवन अधिकारी गिरीश दीवान,भवन निरीक्षक विनोद मांझी,उपअभियंता मोहित मरकाम के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्थल पर ख.नं. 94 से लगकर खेत-बाडी बनाकर फेंसिग कर अतिक्रमण/ कब्जा किया गया है। जिससे शासकीय भूमि बाधित हो रही है।आपका उक्त कृत्य नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धाराओं का उल्लंघन है।शासकीय भूमि में कब्जा किया 19 अवैध कब्जाधारियों को नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर शासकीय भूमि से उक्त फेंसिग /खेत-बाड़ी को स्वयं से हटाकर स्थल को पूर्ववत करें। अन्यथा की स्थिति में नगर पालिक निगम द्वारा अतिक्रमण/कब्जा हटाने की सख्त कार्यवाही की जावेगी जिसके लिये आप स्वयं जवाबदार होंगे।इन कब्जाधारियों को मिला निगम से नोटिस: भूखन निषाद, श्रीमती लता निषाद/पूरन निषाद,श्रीमती चैती / विनोद यादव, सुनील/सोहन ढीमर, गभरू साहू, नंदकुमार यादव,भगवती / शिवप्रसाद साहू, रामनारायण साहू 9. अनिल सिंह, गोलू सोनकर/दुखुराम, मंशा यादव /जीवधन यादव, अजय शर्मा / के.एन शर्मा, अर्जुन चंद्राकर / कृष्णा कुमार,श्रीमती तिजबती निर्मलकर/ सालिकराम, श्रीमती मंगलीन बाई/मिट्ठूलाल साहू 17. चंद्रशेखर सेन/गोविंद सेन,रामनाथ रामलाल/ पल्टूराम, अनिल बिहारी, रामप्यारा साहू/ खोरबाहरा को दिया गया 24 घंटे के भीतर कब्जा हटाने के लिए।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन 16 तक

धमतरी। एकीकृत बाल विकास परियोजना धमतरी ग्रामीण के तहत मोंगरागहन सेक्टर के ग्राम कोड़ेगांव बी स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आगामी 16 जुलाई तक आवेदन मंगाए गए हैं। परियोजना अधिकारी ने बताया कि इच्छुक आवेदिका सभी प्रमाण पत्रों के साथ कम्पोजिट भवन के पास स्थित एकीकृत बाल विकास परियोजना धमतरी ग्रामीण कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन जमा कर सकतीं हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित ग्राम पंचायत अथवा परियोजना कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

पदोन्नति पहले हो बाद में युक्तियुक्तकरण - फेडरेशन

अध्ययन एवं अध्यापन के गुणवत्ता के लिये विषय तथा कक्षा संख्या के अनुसार शिक्षकों की पदस्थापना हो - फेडरेशन

राजनांदगांव (समय दर्शन). सेवा भर्ती पदोन्नति नियम 2019 के अनुसार सभी शिक्षक संवर्ग के पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही करना विद्यार्थी हित में है। मार्च 2020 के स्थिति में प्राचार्य के 2820 पद रिक्त थे। सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप आंकडा और अधिक हो गया है। टी-संवर्ग में 2013 एवं ई-संवर्ग में 2016 से प्राचार्य पदोन्नति नहीं हुआ है। तकरीबन यही हाल व्याख्याता के रिक्त रहे 9622 पदों का है, जो कि सेवानिवृत्ति के कारण और अधिक हो गया है। प्रधानपाठक मिडिल स्कूल के 5715, शिक्षक के 15969 एवं प्रधानपाठक प्राथमिक शाला के 20678 रिक्त पदों पर कमोबेश यही स्थिति है।

फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, प्रांतीय प्रमुख महामंत्री सतीश ब्यौहरे, जिला संरक्षक मुकुल साव, जिला अध्यक्ष पीआर झाड़े, पीएल साहू, जितेंद्र बघेल, बृजभान सिन्हा, सीएल चंद्रवंशी, वीरेंद्र रंगारी, सोहन निषाद, अब्दुल कलीम खान, भूषण साव, स्वाति वर्मा, नवीन कुमार पांडे, उत्तम डड़सेना, देवचंद बंजारे, शिव प्रसाद जोशी, खोम लाल वर्मा, हेमंत पांडे, लीलाधर सेन, पुष्पेंद्र साहू, संजीव मिश्रा, हेमंत दोंदिलकर, श्रीमती संगीता ब्यौहरे, श्रीमती अभिषिक्ता फंदियाल, सुधांशु सिंह, पायल देवांगन, वंदना पानसे, शिरीष कुमार पांडे, रमेश साहू, राजेश शर्मा, नरेश प्रसाद दुबे एवं रानी ऐश्वर्य सिंह का कहना है कि अध्ययन एवं अध्यापन की गुणवत्ता के लिए प्राथमिक, माध्यमिक, हाई तथा उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में कक्षावार दर्ज संख्या के अनुसार विषय शिक्षकों की पदस्थापना आवश्यक है। अत: शिक्षक संवर्ग के रिक्त पदों को पदोन्नति द्वारा भरे जाने के बाद ही युक्तियुक्तकरण करना उचित होगा। उन्होंने बताया कि पदोन्नति के पश्चात ही शालावार अतिशेष शिक्षकों की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना चाहिये। अन्यथा अनेक विद्यालय विषय शिक्षक-शिक्षक विहीन हो जाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय में 5 कक्षा एवं 4 विषय, पूर्व माध्यमिक में 3 कक्षा एवं 6 विषय, हाई स्कूल में 2 कक्षा एवं 6 विषय तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त कॉमर्स संकाय के 3 विषय, कला संकाय के 3 विषय, गणित-बायलॉजी के 3 विषय के 5 कक्षाओं में अध्यापन होता है, जो कि संकाय अनुसार न्यूनतम है। कक्षाओं की संख्या दर्ज संख्या पर निर्भर होता है। फेडरेशन का कहना है कि छात्रहित के दृष्टिगत स्कूलों में अतिशेष शिक्षकों का निर्धारण पदोन्नति से पदस्थापना करने के बाद किया जाना चाहिए। पहले पदोन्नति फिर युक्तियुक्तकरण का नीति निर्धारण होना शिक्षक एवं शिक्षार्थी हित में होगा।

संयुक्त संचालक श्री पांडेय ने स्कूलों का किया आकस्मिक निरीक्षण

बच्चों के साथ बैठकर मध्याह्न भोजन का स्वाद चखा

महासमुंद (समय दर्शन)।/ शासकीय स्कूलों में चल रही गतिविधियों का जायजा लेने आज संयुक्त संचालक श्री राकेश पांडेय द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वे सिरपुर के निकट कुहरी प्राथमिक शाला पहुंचकर स्कूल में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान प्राथमिक शाला कुहरी में सभी बच्चे मध्यान्ह भोजन ग्रहण कर रहे थे। श्री राकेश पांडेय ने भोजन की गुणवत्ता की जांच के लिए बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन भी किया। उन्होंने बताया कि भोजन में चावल के साथ परवल की सब्जी, चुनचुनिया भाजी, दाल और आचार दिया गया था। भोजन गरम और बहुत ही स्वादिष्ट था। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी मोहन राव सावंत एवं सहायक संचालक श्री सतीश नायर साथ थे। साथ ही बालक बालक उच्चतर माध्यमिक शाला बिरकोनी, कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला बिरकोनी और उच्चतर माध्यमिक शाला सिरपुर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शालाओं में पाठ्य पुस्तक और गणवेश वितरण की भी जानकारी ली सभी जगह बच्चों को पुस्तकें व गणवेश वितरण किया जा चुका है।

नारी सुरक्षा समिति से महिलाये जुड़कर बन रहे स्वालंबी

सारंगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ बिलाईगढ़ के ग्राम पंचायत पंडरीपाली में छत्तीसगढ़ युवा समाज सुधार समिति के द्वारा योजना नारी रक्षा सम्मान निधि का बैठक किया गया बैठक में उपस्थित छत्तीसगढ़ युवा समाज सुधार समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश बंजारे ,प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती उत्तम बंजारे , प्रदेश सलाहकार बी.एल. विश्वकर्मा एवम ग्राम की महिलाये उपस्थित हुई बैठक के दौरान सभी महिला नारी रक्षा सम्मान निधि की पूरी जानकारी ली एवम छत्तीसगढ युवा समाज सुधार समिति संस्था में जुड़कर क्षेत्र की विकास के लिए कदम बढ़ाया और नारी रक्षा सम्मान निधि को धन्यवाद देते हुए पूरे छत्तीसगढ़ के हर एक महिला समिति के बहनों से निवेदन किया कि वह नारी रक्षा सम्मान निधि से जुड़कर अपनी आर्थिक एवं पारिवारिक स्थिति में सुधार ला सकते हैं साथ ही संस्था द्वारा सभी महिलाओं को अनुदान राशि प्राप्त हुआ जिससे सभी महिलाओं में खुशियां का माहौल बना।

कलेक्टर ने ली महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने के दिए निर्देश

शासन की योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को देना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, सेवाओं और कार्यक्रमों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता से पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में संचालित आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र एवं मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति, निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों व नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की जानकारी लेते हुए अपूर्ण कार्यों को जल्द पूर्ण करने सहित आंगनबाड़ी केन्द्रों में रनिंग वाटर, बिजली, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पदों एवं भर्ती प्रक्रिया की परियोजना वार जानकारी ली और भर्ती प्रक्रिया समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी पर्यवेक्षक, एएनएम, मितानिन, बीएमओ और परियोजना अधिकारी बैठक कर गर्भवती महिलाओं एवं शिशुवती माताओं एवं एनीमिक महिलाओं के स्वास्थ्य पर योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने बैठक में आंगनबाड़ी गतिविधियों पर चर्चा करते हुए रेडी-टू-ईट, पोषण आहार एवं मेनू चार्ट के अनुसार बच्चों को खाना देने कहा। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्धारित समयानुसार सुचारू रूप से संचालन करने के निर्देश देते हुए सभी सीडीपीओ, सेक्टर्स सुपरवाईजर को अपने-अपने क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जिले में नोनी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, महतारी वंदन योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल विवाह रेस्क्यू अभियान सहित अन्य विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता से पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल सहित सर्व परियोजना अधिकारी, सुपरवाईजर एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बच्चों का नया स्कूल तैयार: जर्जर प्राथमिक शाला से मिली आजादी

नन्हें बच्चों को मिला प्राथमिक शाला घसियापारा सारंगढ़ का नया भवन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय और नगरपालिका परिषद सारंगढ़ के घसियापारा में प्राथमिक शाला भवन जर्जर था, जिसका नया भवन लगभग 10 वर्ष बाद निर्मित हुआ है। प्राथमिक शाला भवन जर्जर होने के कारण अतिरिक्त कक्ष में प्राथमिक शाला का संचालन किया गया। अतिरिक्त कक्ष का भी भवन जर्जर होने पर वर्ष 2018 में सामुदायिक भवन में प्राथमिक शाला का संचालन किया गया। इस प्रकार राज्य शासन की ओर से मुख्यमंत्री जतन योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 12 लाख 80 हजार रूपए स्वीकृत किया गया। निर्माण एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के लिए मोहल्ले के भीतर प्राथमिक शाला भवन का निर्माण कराना मुश्किल का काम था। मोहल्ले में कई नागरिक स्कूल के काम में सहयोग देते हैं तो कई अवरोध उत्पन्न करते हैं। ऐसी स्थिति में ठेकेदार के लिए भवन निर्माण करना बहुत दुष्कर था। ठेकेदार प्रति दिन के हिसाब से निर्माण सामग्री रेत, गिटटी, सीमेंट, छड़ आदि का उपयोग कर बनाया है। प्राथमिक शाला घसियापारा सारंगढ़ की प्रधान पाठक राधिका सिदार कहती हैं कि प्राथमिक शाला भवन के नया बनने से बच्चे बहुत खुश हैं। साथ ही पुराने भवन के जर्जर स्थिति से अब आजादी मिली है। पालक भी जर्जर भवन के कारण स्कूल भेजने में हिचकिचाहट व्यक्त करते थे, लेकिन नया स्कूल भवन बनने से बच्चों और पालकों में भी उत्साह और खुशी है।

गया नगर के नवनिर्मित विद्युत सब स्टेशन में बिल काउंटर व शिकायत केंद्र खोलने को लेकर वार्ड पार्षद लीना दिनेश देवांगन ने नगर संभाग प्रमुख को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग (समय दर्शन)। गया नगर वार्ड 4 मुक्तिधाम परिसर में नव निर्मित 33 द्म1 सब स्टेशन में क्षेत्र की नागरिकों को बिजली बिल पटाने व कंप्लेन अटेंड करने शिकायत सुविधा केंद्र खोले जाने की मांग को लेकर वार्ड पार्षद श्रीमती लीना दिनेश देवांगन ने आज पदमनाभपुर स्थित छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल कार्यालय में नगर संभाग प्रमुख रवि कुमार दानी को ज्ञापन सौंपकर विद्युत संबंधी समस्या के लिए 3 किलोमीटर दूर बघेरा मोहलाई मुख्य स्टेशन जाने से राहत देने की मांग कि गई साथ ही बघेरा से जुड़े सप्लाई लाईन को अलग कर पुलगांव 132 चक्क से सीधे गया नगर उप सब स्टेशन से जोड़ने कार्य का भी शीघ्र पूरा करने की मांग कि है।इस दौरान नगर संभाग प्रमुख दानी ने वार्ड पार्षद व नागरिकों की मांग को जायज बताते हुए शीघ्र ही वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण करने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर वार्ड के श्रीमती मंजूषा तिवारी,अशोक सोनी,संतोष यादव,प्रीति गुप्ता,चंचल तिवारी,राधा चंद्राकर,मनोज कसेर,नंदू अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद लीना दिनेश देवांगन ने अधिकारियों को बताया कि हमारे वार्ड 4 गया नगर में विद्युत अवरोध संबंधी समस्या दूर करने 33 चक्क सब स्टेशन का निर्माण मुक्तिधाम परिसर में कराया गया है उक्त स्टेशन के अंतर्गत गया नगर,राजीव नगर,शिवनगर मठपारा,मरार पारा गोड़ पारा गिरधारी नगर रामनगर सहित आसपास के वार्ड के सप्लाई लाईन सीधे जुड़ता है इस सब स्टेशन के निर्माण के लिए उन्होंने स्वयं पहल करते हुए विद्युत विभाग को भरपूर सहयोग किया था चूंकि वर्तमान में बघेरा मुख्य स्टेशन इन क्षेत्रों से 3 किलोमीटर से भी अधिक दूर पड़ता है और बिल पटाने से लेकर आवेदन व शिकायत दर्ज कराने लोगो को इतना दूर जाना पड़ता है।अत: गया नगर मुक्तिधाम स्थित नवनिर्मित सब स्टेशन में उपभोक्ताओं को राहत देने बिजली बिल पटाने तथा विद्युत संबंधित आवेदन लेने या समस्या आने पर शिकायत दर्ज़ कराने अलग अलग काउंटर व्यवस्था के साथ साथ फॉल्ट दूर करने एक दल रखे जाने की नितांत आवश्यकता है ताकि बिजली संबंधी किसी प्रकार संकट आने पर शीघ्रता से निपटारा हो सके इस अवसर पर अधिकारियों ने जनता से जुड़े इस महत्वपूर्ण मांग पर विचार करते हुए उपभोक्ता को राहत देने प्राथमिकता कार्यवाही का आश्वासन दिया।

सार समाचार

बस डीपो के पास खड़ी रिक्सा पार

रायपुर(समय दर्शन)। टाटीबंध स्थित मुस्ताक बस डीपो गैरेज के पास खड़ी ई-रिक्सा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया अमीना खातुन 32 वर्ष डुमरतालाब आमानाका की रहने वाली है। बताया जाता है कि प्रार्थिया अपनी ई-रिक्सा क्रमांक सीजी 04 पीएच 9241 को मुस्ताक बस डीपो गैरेज टाटीबंध के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। ोरी गए ई-रिक्सा की कीमत करीब 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

एक राय होकर युवक को पीटा

रायपुर(समय दर्शन)। कार से बाइक टकरा जाने पर चार युवकों ने कार चालक से मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रिषभ कटारिया 35 वर्ष टैगोरनगर कोतवाली का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी कार से कहीं जा रहा था, तभी बाइक टकरा गया। जिससे आरोपी मोख राय, राजदीप वालिया, संजू भारती व अन्य ने एक राय होकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया।

घर से नकदी व जेवर पार

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम सांकरा स्थित दुकान व घर में प्रवेश कर अज्ञात चोर ने नकदी एवं सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी यशवंत ढेबर 25 ग्राम सांकरा का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपने घर में हार्डवेयर दुकान चलाता है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के घर में प्रवेश कर नकदी एवं सोने-चांदी का जेवर पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

युवक से मारपीट

रायपुर(समय दर्शन)। तिरंगा चौक रावाभाठा में पुरानी रंजिश को लेकर तीन युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी विनोद जगत 45 वर्ष तिरंगा चौक रावाभाठा का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी विशाल कुर्रे, कृष ठाकुर व अन्य ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया।

सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 पोर्टल शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में उद्योगों की स्थापना के लिए हर संभव सहयोग - मुख्यमंत्री साय

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है छत्तीसगढ़ में निवेश करने वाले और उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता सुशासन और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। इसी क्रम में आज निवेशकों और नए उद्योग लगाने वालों की सुविधा के लिए विभिन्न क्लीयरेंस और स्वीकृतियां त्वरित रूप से प्रदान करने के लिए सिंगल विंडो पोर्टल 2.0 का शुभारंभ किया गया है। प्रशासनिक दखल कम कर प्रक्रिया को सरलीकृत बनाने के लिए यह बड़ी पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पोर्टल उद्यमियों के लिए अत्यंत आसान और उपयोग करने में सुगम होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज यहां अपने राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय से सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 पोर्टल शुभारंभ करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश में संसाधनों के विपुल भंडार है और औद्योगिक विकास के भी असीम अवसर उपलब्ध हैं। उद्योग विभाग की इस नई व्यवस्था से सभी सुविधाएं एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया आसान होने से निवेश में उनकी रुचि बढ़ेगी और युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। व्यवसायियों को आवश्यक विभागीय अनुमति-सहमति और क्लीयरेंस के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और ना ही अलग-अलग विभागों में आवेदन करने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि नए पोर्टल में विभागीय अधिकारियों को भी जिम्मेदारियां दी गई है और उन पर आवेदनों के समय पर निराकरण की जवाबदेही भी होगी। मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर इसकी समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

तुरमा में डायरिया के मिले 82 मरीज, खबर मिलते ही गांव पहुंचा जिला प्रशासन

लापरवाही बरतने के चलते पटवारी, पीएचई सब इंजीनियर को नोटिस एवं सचिव को किया गया निलंबित

रायपुर(समय दर्शन)। बलौदाबाजार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत तुरमा में डायरिया के 82 मरीज मिले है। डायरिया के बढ़ते मामले को देखते हुए आज कलेक्टर दीपक सोनी ने तुरमा पहुंचकर गांव के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। साथ ही मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य शिविर का भी जायजा लिया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 1 जुलाई को 76 मरीज एवं 2 जुलाई 41 मरीजों का चिन्हांकन किया गया। जिसमें से वर्तमान में 82 एक्टिव मरीज है। उक्त मरीजों में 17 को जिला अस्पताल एवं 16 को सामुदायिक केन्द्र लवन में भर्ती किया गया है। जबकि अन्य मरीज गांव के हाट बाजार क्लीनिक भवन में स्वास्थ्य शिविर में इलाज कराने आ रहे हैं। ग्रामीणों का प्राथमिक इलाज करने के बाद उन्हें वापस घर भेज दिया गया है। इस पूरे मामले में कलेक्टर ने गंभीर नाराजगी जताते हुए ग्राम पटवारी तुलसीराम बर्मन,पीएचई सब इंजीनियर के.आर.पैकरा को नोटिस जारी किया गया है। साथ ही ग्राम के सचिव राजपाल कोसले के अनुपस्थित रहने के चलते उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विकासखंड चिकित्सा अधिकारी के प्रति भी नाराजगी जताते हुए उनके छुट्टी को निरस्त करने के निर्देश संबधित अधिकारियों को दिए है। तुरमा में जानकारी मिलने के बाद कलेक्टर ने सबसे पहले हाट बाजार क्लीनिक में संचालित स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे। भर्ती मरीजों और स्वास्थ्य कर्मचारियों से बातचीत कर उचित दिशा-निर्देश दिया गया। इसके साथ ही कलेक्टर ने मरीजों एवं उनके परिजनों से भी मुलाकात की। स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ को स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में जागरुकता के लिए काम करने को कहा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिनों को डोर टू डोर जाकर जानकारी लेने के निर्देश दिए गए है। इस दौरान कलेक्टर स्वयं गांव के पानी टंकी पर चढ़कर सफाई संबंधित जायजा लिया। कलेक्टर श्री सोनी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को पानी की गुणवत्ता की जांच रिपोर्ट जल्द देने एवं स्वच्छ पानी आमजनों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने गांव में डायरिया के एकाएक अधिक संख्या में मरीज मिलने के कारण को जांच कराने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए है।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए चलेगा अभियान

राजस्व प्रकरणों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं : राजस्व मंत्री

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में अविवादित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए 5 से 20 जुलाई 2024 तक राजस्व पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने राज्य के सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों का तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अविवादित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्री वर्मा आज जिला मुख्यालय सारंगढ़ में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा है कि यह बात ध्यान में लायी गई है कि अविवादित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। सभी राजस्व अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण हो। समीक्षा बैठक में कलेक्टर सारंगढ़ श्री धर्मेश साहू ने मंत्री श्री वर्मा को बताया कि जिले में पंचायत सचिव के माध्यम से गांव में ग्रामीणों के जितने राजस्व प्रकरण होंगे, उनके माध्यम से तहसीलदार कार्यालय में जमा होंगे, जिसका मॉनिटरिंग कलेक्टर स्तर पर किया जाएगा, जिससे जिले के राजस्व कार्यों के निपटारा शीघ्र होगा। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि जिले में अवैध शराब, जुआ, सट्टा जैसे अपराध पर सख्ती से कार्यवाही करते हुए नियंत्रित करें। उन्होंने मरम्मत योग्य सभी स्कूलों, छात्रावास भवनों, आंगनबाड़ी केन्द्रों के जर्जर भवनों की जानकारी ली और मरम्मत कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

जब अस्पताल में कलेक्टर डॉ. गौरव से नन्हे गौरव की हुई मुलाकात

कलेक्टर ने पूछा- इलाज और दवा मिल रहा, मरीज बोले-हां मिल रहा है

रायपुर(समय दर्शन)। मां के साथ अस्पताल में पहुंचे नन्हें बच्चे को देखकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ठहर गए। कलेक्टर ने नन्हें बच्चे से नाम पूछा तो उसने अपना नाम गौरव बताया। इतने में कलेक्टर ने कहा कि हम दोनों एक नाम के है। कलेक्टर ने नन्हें गौरव से उसकी पढ़ाई के बारे में पूछा। फिर बेहतर भविष्य की कामना करते हुए आगे की पढ़ाई जारी रखने की बात कहीं। यह वाक्या धरसींवा के सामुदायिक केंद्र में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा निरीक्षण के दौरान देखने को मिला। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कई मरीजों से बातचीत की और इलाज के बारे में जानकारी ली। सभी ने अस्पताल में बेहतर सुविधा और उपचार मिलने पर संतुष्टि जताई। कलेक्टर ने चिकित्सा कक्ष की व्यवस्थाओं को भी देखा। कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में तैयार हो रहे ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण कार्य को भी जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए और शुरू करने को कहा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कुरा के हमर क्लिनिक और ग्राम बरबंदा के उप स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मरीजों से भी बातचीत की और सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि स्टॉक दवाओं में एक्सपायरी डेट का ध्यान रखा जाए। किसी भी मरीज को एक्सपायरी डेट की दवा वितरित न की जाए। मरीजों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की युवा शाखा ने नीट परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

इफको के नैनो उर्वरक संवर्धन महाअभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नैनो उर्वरक उपयोग संवर्धन महाअभियान की शुरुआत. इफ्को द्वारा की गई है। इसके अंतर्गत इफ्को द्वारा 200 मॉडल नैनो ग्राम समूह (क्लस्टर) चयनित किए गए हैं। इसके माध्यम से 800 गाँवों के किसानों को इफ्को द्वारा नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी एवं सागरिका के मूल्य पर 25 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है ताकि किसान अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का अधिक से अधिक प्रयोग कर सकें। इसके साथ ही इफ्को द्वारा ड्रोन उद्यमी को 100 रुपए प्रति एकड़ की दर से अनुदान दिया जाएगा जिससे किसानों को कम दरों पर छिड़काव की सुविधा प्राप्त हो सके। इन मॉडल नैनो गाँवों में जो फसल होगी उसकी गुणवत्ता एवं उत्पादन की वृद्धि का आंकलन कर किसानों को अवगत कराया जाएगा। नैनो उर्वरकों का खेती में प्रयोग बढ़ाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी ने भी 100 दिवसीय कार्य योजना की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत 413 जिलों में नैनो डीएपी (तरल) के 1270 प्रदर्शन एवं 100 जिलो में नैनो यूरिया प्लस (तरल) के 200 परीक्षण किये जाएंगे। इन परीक्षणों में कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय एवं अन्य शोध संस्थानों की मदद ली जाएगी और भारत सरकार द्वारा भी इसकी निगरानी की जाएगी। इफ्को द्वारा नैनो उर्वरकों को सहकारी समिति एवं अन्य बिक्री केंद्र तक उपलब्ध कराया जाएगा। नैनो उर्वरकों के लाभ के बारे में किसानों को बताया जाएगा। नैनो उर्वरकों के छिड़काव हेतु इफ्को द्वारा 2500 कृषि ड्रोन किसानों के लिए उपलब्ध कराये जा रहे हैं जिसके लिए 300 'नमो ड्रोन दीदी' तथा ड्रोन उद्यमी तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार के स्प्रेयर भी उपलब्ध कराये गये हैं जिनके माध्यम से किसान आसानी से अपने खेतों में नैनो उर्वरकों का छिड़काव कर सकेंगे। 245 लाख एकड़ क्षेत्र पर ड्रोन द्वारा स्प्रे करने के लिए 15 संस्थाओं से अनुबंध किया गया है जो किसानों के खेतों में छिड़काव करेंगे। प्रत्येक स्प्रे पर 100 रुपए प्रति एकड़ का इंसेंटिव भी प्रदान किया जाएगा। अगस्त 2021 से 26 जून 2024 तक इफ्को द्वारा उत्पादित कुल 7.55 करोड़ नैनो यूरिया एवं 0.69 करोड़ नैनो डीएपी की बोतलों का उपयोग किसानों द्वारा किया जा चुका है। किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने हेतु इफ्को द्वारा वर्ष 2024-25 में 4 करोड़ नैनो यूरिया प्लस एवं 2 करोड़ नैनो डीएपी बोतलों के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में अप्रैल 2024 से इफ्को द्वारा किसानों को अधिक सांद्रता वाला नैनो यूरिया प्लस (तरल) 20त्न 2/1 उपलब्ध कराया गया है, जिससे गुणवत्तापूर्ण फसल उत्पादकता बढ़ाने एवं पर्यावरण सुरक्षा में मदद मिलेगी।

दिव्यांगों को हुनरमंद बनाकर स्वरोजगार से जोड़े : मंत्री राजवाड़े

प्रदेश के वृद्धाश्रमों एवं दिव्यांग बाल आश्रम की व्यवस्था दुरूस्त करने के दिए निर्देश

समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विभाग की ली समीक्षा बैठक

रायपुर(समय दर्शन)। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि दिव्यांगजनों को हुनरमंद बनाकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के लिए संचालित योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए सभी आवश्यक पहल की जाए। श्रीमती राजवाड़े आज मंत्रालय महानदी भवन में समाज कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रही थी। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बैठक में कहा कि सभी जिलो में दिव्यांग के पुनर्वास के साथ-साथ उन्हें रोजगार मूलक कार्यों में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को वृद्धाश्रमों एवं दिव्यांग बाल आश्रम तथा अन्य पुर्नवास केन्द्रों की व्यवस्था दुरूस्त करने भी कहा। बैठक में समाज कल्याण विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव, संचालक सुश्री रोक्तिमा यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। समाज कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों से कहा कि बुजुर्गो, दिव्यांगों एवं निराश्रितों के कल्याण के लिए अपना शत-प्रतिशत दें तथा सेवाभाव के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम, दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित अनुदान प्राप्त संस्थाओं और पुनर्वास केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्था दुरूस्त करें। दिव्यांग बच्चों को हुनरमंद बनाकर स्व-रोजगार के साधन उपलब्ध कराएं। उनकी रूचि के अनुसार मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना विभिन्न ट्रेडो में प्रशिक्षण दिलाया जाए। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सार्वजनिक जगहों पर बेघर, बेसहारा, घुमंतू, दिव्यांग, बच्चों और महिलाएं मिलने पर उन्हें पुर्नवास केन्द्र में भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। विभिन्न पेंशन प्रकरणों का भौतिक सत्यापन करके पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता से पेंशन का लाभ दिलाए। विभाग के हेल्प लाइन नंबर का भी व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। श्रीमती राजवाड़े ने तृतीय लिंग का भी पंजीयन कराने और राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड के साथ अन्य विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करने और दिव्यांगजनों के लिए शिविर लगाकर यूडीआईडी पंजीयन कराने और मेडिकल बोर्ड से दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चे, महिलाओं, युवा, बुजुर्ग जिनको फिजियोथेरिपी, कृत्रिम उपकरण, बैसाखी, श्रवण यंत्र, ट्राईसायकल की जरूरत हो उन्हें ये उपकरण उपलब्ध कराए जाए। समीक्षा बैठक में कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण प्रदाय योजना, सामर्थ्य विकास योजना, निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना, राष्ट्रीय निःशक्तजन पुनर्वास कार्यक्रम सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

संपादकीय

शेख हसीना आना कई मायनों में सुकूनकारी

भारत में नई सरकार के गठन के बाद भारत की द्विपक्षीय राजकीय यात्रा पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आना कई मायनों में सुकूनकारी है। उनकी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के दरम्यान के घनिष्ठ संबंधों को और आगे बढाना है। दोनों देशों ने समुद्र क्षेत्र समेत कई अन्य अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दस समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें डिजिटल क्षेत्र में संबंध प्रगाढ़ करने व हरित साझेदारी के साथ समुद्र विज्ञान, स्वास्थ्य व चिकित्सा, आपदा प्रबंधन व मत्स्य पालन भी इसमें शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा नए क्षेत्रों में सहयोग के वास्ते भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तैयार किया है, जिससे दोनों देशों के युवाओं को लाभ मिलेगा। हसीना ने भारत को विसनीय मित्र बताते हुए 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत सरकार व भारतीयों के योगदान को याद किया। भारत की पड़ोसी पहले की नीति के तहत बांग्लादेश महत्त्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देश जल्द नई रेल सेवा व बस सेवा भी चालू करने पर सहमत हैं। पंद्रह दिनों के भीतर हसीना का यह दूसरा भारत दौरा है। कहा जा रहा है, इस करीबी से चीनी सरकार चिंतित हो सकती है। हालांकि बांग्लादेश के चीन के साथ भी अच्छे संबंध हैं। वह कच्चे माल के मामले में उसका प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। इसके बाद हसीना चीन भी जा रही हैं, परंतु भारत ने भी पिछले आठ वर्षो में बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे के विस्तार में मदद के लिए आठ मिलियन डॉलर का कर्ज दिया है। 2022-23 के दौरान दोनों देशों के दरम्यान 15.9 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ, जिसके मौजूदा वर्ष में तीव्र गति से बढने की उम्मीद है। गौर करने वाली बात है कि बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा डेवलपमेंट पार्टनर भी है। हालांकि दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन के बदलावों के चलते जनसांख्यकीय व आर्थिक उथल-पुथल झेल रहे हैं। और ये मसले वाकई दोनों ही देशों के लिए परेशानी का सबब हैं। इस समझौते को विकसित भारत 2047 व स्मार्ट बांग्लादेश 2041 के व्यापक दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। बांग्लादेशी नौजवानों के लिए भारत सिर्फ बेहतरीन जीवन व रोजगार की स्वप्नगाह भर नहीं है। बल्कि एक छोटे से देश का सामर्थ्यवान हमसाया होने का फर्ज निभा कर भारत अपना बड़प्पन भी बखूबी दर्शा रहा है। साथ ही वह प्रमुख एशियाई देश होने का गौरव भी प्राप्त करते हुए दुश्मनी साधने वाले पाकिस्तान को आईना भी दिखा सकता है।

राष्ट्रपति का आर्थिक फोकस

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। उसे सरकार लिखती है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित की जाती है। यह गणतंत्र की एक खूबसूरत परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का यह सारांश खुलासा होता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा को निभाया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश अक्सर सुनता रहा है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह सहमत नहीं है। वह उन्हें लीपापोती मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन-गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता उन परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफहै, क्योंकि वह ही लाभार्थी है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस आर्थिक समृद्धि और सुधारों की निरंतरता पर अधिक रहा है। देश की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी के करीब है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक और सबसे ज्यादा गतिमान है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिए यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू ने 18वीं लोकसभा के पूर्ण बजट का भी कुछ प्रारूप रखा है कि वह भारत की जनता की आकांक्षाओं और जरूरतों के अनुसार होगा। संसद के जुलाई सत्र में जो बजट पेश किया जाएगा, वह वाकई जनवादी होगा। उसमें दूरगामी नीतियों और भविष्य के विजन के साथ-साथ ऐतिहासिक कदम भी उठाए जाएंगे। बेशक राष्ट्रपति भी उन कदमों का खुलासा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि बजट की गोपनीयता का तकाजा था। यह गौरतलब रहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के सौजन्य से यह सिद्धांत स्पष्ट कराया कि देश का विकास, उसके राज्यों के विकास पर ही, आश्रित है, क्योंकि तभी एक राष्ट्र के समग्र विकास का आकलन किया जा सकता है और एक राष्ट्रीय तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पर्द्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए, यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का उल्लेख किया, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन-विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाईड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है, जो किसी महामारी से कम नहीं है। राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस महिला सशक्तिकरण पर रहा और उन्होंने देश के संपूर्ण बुनियादी ढांचे की सराहना की। जो सडकें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हालमार्क' माना जाता है। गौरतलब तथ्य यह भी है कि बेशक भारत विश्व की तीसरी महाशक्ति होगा, अमरीका और चीन के बाद भारत की अर्थव्यवस्था होगी, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे।

महंगाई से लड़ने की कोशिश

सतीश सिंह

महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधने के लिए मौद्रिक नीति समिति ने अपनी समीक्षा में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत के दर पर यथावत रखा है। इसके पहले फरवरी, 2023 में इसमें बढ़ोतरी की गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक मुख्य तौर पर रेपो दर में बढ़ोतरी करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है। जब रेपो दर अधिक होता है तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है और लोगों की जेब में पैसे न होने की वजह से वस्तुओं की मांग में कमी आती है और वस्तुओं व उत्पादों की कीमत अधिक होने के कारण इनकी बिक्री में कमी आती है, जिससे महंगाई में गिरावट दर्ज की जाती है। इसी तरह अर्थव्यवस्था में नरमी रहने पर विकासात्मक कायरे में तेजी लाने के लिए बाजार में मुद्रा की तरलता बढ़ाने की कोशिश की जाती है और इसके लिए भी रेपो दर में कटौती की जाती है, ताकि बैंकों को रिजर्व बैंक से सस्ती दर पर कर्ज मिले और सस्ती दर पर कर्ज मिलने के बाद बैंक भी ग्राहकों को सस्ती दर पर कर्ज दें।

मौजूदा समय में महंगाई दर सरकार और रिजर्व बैंक के लिए चिंता का सबब है। केयर एज रेटिंग के अनुसार कर्ज दर के नरम नहीं होने के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में ऋण वृद्धि दर 16 प्रतिशत के आसपास रही है, और वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 14 से 14.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। ऐसी स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद सकारात्मक है। हालांकि, इसे अपवाद वाली स्थिति कहा जा सकता है। बहरहाल, कर्ज देने की रफ्तार में तेजी बनी रहने के कारण आर्थिक गतिविधियों और विकास दर, दोनों में तेजी आ रही है।

इसी वजह से रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने विकास अनुमान को 7.00 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2023-2024 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 रही जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही जो रिजर्व बैंक के अनुमान से 1.2 प्रतिशत अधिक है यानी रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7 प्रतिशत लगाया था। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत रही थी। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार विनिर्माण और खनन के क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन से आलोच्य अवधि में विकास दर तेज रही। विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में माइनस 2.2 प्रतिशत रही थी। खनन क्षेत्र में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 7.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 1.9 प्रतिशत रही थी। उल्लेखनीय है कि विनिर्माण क्षेत्र रोजगार सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खुदरा महंगाई अभी भी चिंता की बात है। मई महीने में थोक महंगाई बढ़कर 15 महीनों के ऊपरी स्तर 2.61 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई जबकि फरवरी, 2023 में यह 3.85 रही थी। वहीं, अप्रैल 2024 में यह 1.26 प्रतिशत रही जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। मार्च, 2024 में यह 0.53 रही और फरवरी महीने में 0.20 प्रतिशत। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 12 जून, 2024 को खुदरा महंगाई का आंकड़ा जारी किया था, जिसके अनुसार मई महीने में खुदरा महंगाई 4.75 प्रतिशत रही जो 12 महीने का निचला स्तर था। अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई में कुछ कमी आई थी, लेकिन वह मई महीने से थोड़ी अधिक 4.83 प्रतिशत के स्तर पर थी। जून, 2023 में खुदरा महंगाई 4.81 प्रतिशत थी जबकि जुलाई, 2023 में यह 4.44 प्रतिशत रही थी। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर या खरीदने की क्षमता से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपये का मूल्य सिर्फ 94 रुपये होगा।

इसलिए महंगाई के स्तर के अनुरूप निवेशकों को निवेश करना चाहिए अन्यथा उन्हें प्रतिफल कम मिलेगा। महंगाई का बढ़ना-घटना उत्पाद की मांग-आपूर्ति पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो ज्यादा उत्पाद खरीदेंगे और ज्यादा उत्पाद खरीदने से मांग बढ़ेगी और मांग के मुताबिक आपूर्ति नहीं होने पर उत्पादों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह, बाजार महंगाई के दुष्चक्र में फंस जाएगा। बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या उत्पाद की कमी महंगाई का कारण बनता है। वहीं, अगर मांग कम होगी और आपूर्ति ज्यादा होगी तो महंगाई कम होगी। ग्राहक खुदरा बाजार से सामान खरीदते हैं और बाजार में मौजूद उत्पादों की कीमत में हुए बदलाव को मापने का काम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) करता है।

उत्पाद और सेवाओं के लिए जो औसत मूल्य चुकाया जाता है, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, उत्पादों की कीमतों, निर्माण की लागत के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जो खुदरा महंगाई दर को तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं। वर्तमान में लगभग 300 उत्पाद ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर खुदरा महंगाई दर तय होती है। इस तरह, किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा, दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीददारी क्षमता कम हो जाती है, और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम होती है। फिर, उनकी बिक्री कम हो जाती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है, आदि। इससे आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं, और विकास की गति बाधित होती है। विगत कुछ महीनों से उधारी ब्याज दर के उच्च स्तर पर बने रहने के बावजूद ऋण वितरण में तेजी है और विकास दर की रफ्तार भी तेज बनी हुई है। वैसे, ऐसी स्थिति अपवाद वाली है। एचएसबीसी इंडिया का पीएमआई आंकड़ा मई, 2024 में 57.5 प्वॉइंट रहा, जो अप्रैल, महीने में 58.8 प्वॉइंट था, वहीं, कंपोजिट पीएमआई मई, 2024 में 60.50 प्वॉइंट था, जो अप्रैल 2024 में 61.50 प्वॉइंट रहा था। आंकड़ों से साफ है कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। भारत में मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक द्वारा तय की गई सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के बावजूद चिंताजनक स्तर पर है। इसलिए, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा गया है। मंहगाई को लेकर केंद्रीय बैंक बहुत ज्यादा संवेदनशील है, और यह महंगाई और विकास दर के बीच संतुलन बनाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत रखना चाहता है, ताकि आम आदमी को परेशानी भी नहीं हो और विकास की रफ्तार भी तेज बनी रहे।

यह है क़ानून का राज : हम कब करेंगे आत्मावलोकन ?

तनवीर जाफ़री

स्विट्ज़रलैंड की एक अदालत ने ब्रिटेन के सबसे अमीर भारतीयों में गिने जाने वाले भारतीय मूल के हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को अपने नौकरों के शोषण के मामले में दोषी क़रार देते हुए उन्हें चार से साढ़े चार वर्ष तक की कारागार की सज़ा सुनाई है। स्विस प्रशासन इस परिवार द्वारा अपने नौकरों का शोषण किये जाने पर गत 6 वर्षों से नज़र रख रहा था। हिंदुजा परिवार के सदस्यों पर आरोप है कि उन्होंने अपने जेनेवा स्थित बंगले में काम करने के लिए भारत से कामगारों को बुलाया और उनका शोषण किया। इस परिवार पर मानव तस्करी के भी आरोप हैं। हिंदुजा परिवार ने अपने नौकरों के पासपोर्ट ज़ब्त कर लिये थे और उन्हें न्यूनतम से भी कम मज़दूरी दे रहे थे। साथ ही इन कामगारों के बाहर निकलने व कहीं आने-जाने पर भी हिंदुजा परिवार की ओर से पूरी रोक लगी हुई थी। सरकारी वकील के मुताबिक़ हिंदुजा परिवार अपने एक कुत्ते पर एक नौकरों से ज़्यादा पैसे खर्चकरता था। 卐 मिसाल के तौर पर इस परिवार ने एक नौकरानी जो एक दिन में 18 घंटे काम करती थी उसे तो केवल 7 पाउंड मिलते थे। जबकि स्विस क़ानून के अनुसार कर्मचारियों को इसके लिए कम से कम 70 पाउंड का भुगतान किया जाना चाहिए था। परन्तु यही परिवार अपने एक कुत्ते के रखरखाव और खाने पर सालाना 10 हज़ार अमेरिकी डॉलर खर्च करता था। कई नौकरों को बिना छुट्टी के पूरे सप्ताह काम करना होता था। उन्हें वेतन भी स्विस करेंसी यानी फ्रैंक्स में देने के बजाय भारतीय रुपये में दिया जाता था। हालाँकि यह अदालती फ़ैसला आने के एक सप्ताह पहले हिंदुजा परिवार ने भारी रक़म चुकाकर तीन पीड़ित कामगारों से अदालत के बाहर समझौता भी किया था। ग़ौर तलब है कि मूल रूप से भारतीय, हिंदुजा परिवार का लगभग 47 बिलियन डॉलर का कारोबारी साम्राज्य है। हिंदुजा समूह का निवेश मुख्यत: कंस्ट्रक्शन,होटल, कपड़े, ऑटोमोबाइल, ऑयल, बैंकिंग और फ़ाइनेंस जैसे क्षेत्र में है। ब्रिटेन में हिंदुजा परिवार की अनेक बहुमूल्य इमारतें भी हैं। जेनेवा के इस अदालती फ़ैसले ने एक बात तो साबित कर ही दी है कि स्विट्ज़रलैंड में न केवल क़ानून का राज है बल्कि वहां का क़ानून इस बात की भी परवाह नहीं करता कि आरोपी कितना अमीर व कितना रसूख़दार है। साथ ही यह भी कि शोषित व पीड़ित वर्ग का व्यक्ति कितना ही ग़रीब व असहाय क्यों न हो मानवाधिकारों का पक्षधर वहां का क़ानून उसके साथ है।

अब ज़रा इसी अदालती फ़ैसले के सन्दर्भ में हम अपने देश के वास्तविक हालात का भी आंकलन करें। भारत सरकार द्वारा बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के अनुच्छेद 24 के अनुसार कारख़ानों , खदानों एवं जोखिम भरे कार्यों में किसी बालक, जिसकी आयु 14 वर्ष से कम हो, नहीं लगाया जायेगा। हमारे देश में बाल संरक्षण क़ानून के अतिरिक्त विस्तृत श्रम क़ानून भी बने हुये हैं। इन क़ानूनों की पालना व इन्हें लागू करवाने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर बाक़ायदा विभाग हैं,विशेष अदालते हैं। गोया पूरी मशीनरी श्रम व बाल संरक्षण हेतु दिखाई देती है जिनपर सैकड़ों करोड़ रूपये ख़र्च भी होते हैं। परन्तु इन सब के बावजूद धरातलीय स्थिति क्या है यह कौन नहीं जानता। मुख्य मार्ग के ढाबों से लेकर मंत्रियों सांसदों विधायकों व अधिकारियों के घरों तक में श्रम व बाल संरक्षण क़ानून की धज्जियाँ उड़ती देखी जा सकती हैं। मज़दूरों की तो बात छोड़िये अनेक निजी स्कूल्स तक में अधयापकों व अध्यापिकाओं को वेतन कुछ दिया जाता है तो रजिस्टर में दस्तख़त अधिक धनराशि लिखकर कराई जाती है। हद तो यह है कि बंधुआ मज़दूरी क़ानून बने होने के बावजूद अभी भी ठेकेदारी प्रथा के तहत तमाम बंधुआ मज़दूर काम करते मिल जायँगे जिन्हें ठेकेदार अपनी मनमानी रक़म देकर उनसे 8 से 12 घंटे तक काम करवाता है। ईंट के भट्ठों से लेकर सड़क व भवन निर्माण क्षेत्र में भी ऐसे तमाम मज़दूर काम करते देखे जा सकते हैं। अपने देश में 'क़ानून का राज 'कितना क़ायम है यह देखने के लिये आपको दर्जनों ऐसे उदाहरण मिल जायेंगे जबकि किसी जघन्य अपराधी ने सत्ता में आने के बाद अपने ही ऊपर चल रहे आपरधिक मुक़ददमों को ही वापस ले लिया। यह उदाहरण भी मिलेगा कि सत्ता के क़रीबी व्यक्ति पर चलने वाला दंगे,फ़साद ,बलात्कार व हत्या तक का मुक़ददमा सरकार द्वारा वापस ले लिया गया। कई बार देश के बड़े बड़े क़ानूनविद यहाँ तक कि अनेक पूर्व न्यायाधीश यह कह चुके हैं कि देश की जेलें आमतौर पर ऐसे ग़रीब व असहाय लोगों से भरी पड़ी हैं जो आर्थिक रूप से ग़रीब हैं और लम्बी क़ानूनी लड़ाई लड़ पाने में असमर्थ हैं। भारत में अभी पिछले दिनों हुआ बहुचर्चित पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट मामला भी एक बड़ा उदाहरण है जिसमें दो इंजीनियरों को कुचल दिया गया था। इस मामले में नाबालिग़ चालक ने दावा किया था कि दुर्घटना के समय उसका ड्राइवर कार चला रहा था। लेकिन जांच में उसका यह बयान झूठा निकला। यहाँ भी पैसे और रसूख़ के बल पर वह अपने ड्राइवर को पैसों के एवज़ में जेल भेजकर स्वयं को बचाना चाह रहा था परन्तु चूँकि मीडिया ने इस मामले को तूल दे दिया था और कार का रजिस्ट्रेशन भी नहीं था,उधर कुचले गए दो व्यक्ति भी इंजीनियर थे इसलिये जाँच निष्पक्ष करनी पड़ी और रसूख़दारों की साज़िश धरी रह गयी। परन्तु उनका यह दुस्साहस स्वयं यह बताता है कि भारत में ऐसा संभव है कि रसूख़दार स्वयं को बचने के लिये अपने ड्राइवर या नौकर को आगे कर देते हैं। हिंदुजा परिवार को लेकर स्विट्ज़रलैंड की अदालत से आया फ़ैसला क्या हमें यह सोचने के लिये मजबूर नहीं करता कि अपने देश में क़ानून का राज स्थापित करने को लेकर आख़िर हम कब आत्मावलोकन करेंगे ?

मतदाताओं ने मोदी को बदलने का मैसेज दिया

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी शपथ को बीस दिन हो गए है। केबिनेट, संसद की बैठक, स्पीकर चुनाव और राष्टपति का अभिभाषण सब हो गया है। तो सोचे, क्या आपको कोई एक भी क्षण, एक भी घटना, एक भी चेहरा, एक भी जुमला और एक भी ऐसा परिवर्तन दिखलाई दिया जिससे लगा मानों ताजा हवा का झौका हो। क्या केबिनेट में कुछ नया, ताजा दिखा? क्या प्रधानमंत्री दफ्तर, सरकार की आला नौकरशाही में कोई परिवर्तन झलका? ऐसी कोई नई प्राथमिकता, नया मुद्दा, नया विषय प्रधानमंत्री या राष्टपति के मुंह से निकला जिससे लगे कि जिन बातों (रोजगार, महंगाई, बेहाल जिंदगी, नौजवान आबादी, किसान, मजदूर, मध्यवर्ग आदि) पर मतदाताओं ने मोदी के चार सौ पार के नारे को नकारा, तो उससे सबक सीख कर जिंदगी के रियल मसलों पर मोदी 3ः0में नया कुछ बनने की संभावना है? इस बात को इस तरह भी रख सकते है कि मतदाताओं ने नरेंद्र मोदी को बदलने का मैसेज दिया, विपक्ष में दम भरा तो शासन और राजनीति में आम रायसे, सबसे सलाह करके, सबसे पूछ कर निर्णय का नया सिलसिला बनना चाहिए था या नहीं? उस नाते क्या नरेंद्र मोदी को अपने को रिइंवेंट नहीं करना था? भाषण कम करके, विपक्ष से पंगा कम ले और सर्वानुमति बना कर राज करने का नया अंदाज। मैं, मैं भगवान, मैं महान की बजाय हम, एनडीए, भाजपा और पक्ष-विपक्ष सब एक ही देश के अंशधारी है, यह सोचते हुए सबका साझा,सबका साथ, और सबके विकास की जुमलेबाजी को नई तरह से गढ़ा जाना चाहिए था। मतलब प्रधानमंत्री खुद ही विपक्ष से बात करके, विपक्षी नेताओं को बुलाकर आम राय से ऐसा स्पीकर बनाते जिससे संसद की आभा बढ़ती। बुद्धी, मेघा, अंग्रेजी-हिंदी की भाषागत प्रवीणताओं और व्यवहार से वैश्विक जमात, मंच और संगठनों में भारत की उपस्थिति मौजूदगी हो तो दुनिया को लगे कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का स्पीकर कैसा भव्य व्यक्तित्व लिए हुए है। क्या आपको लगता है ऐसी कोई भी चिंता या दिल-दिमाग में सोच का परिवर्तन नरेंद्र मोदी3ः0 में आया है? असलियत में बीस दिनों में नरेंद्र मोदी ने हर वास्तनिकता से मुंह चुराया है। चुनाव नतीजों के बाद नरेंद्र मोदी ने न तो भाजपा के पदाधिकारियों से सीधे-सीधे बात की और न भाजपा संसदीय दल की बैठक बुला कर उसमें नतीजों और नए नेता के चुनाव पर विचार किया। न ही संघ परिवार के पदाधिकारियों को बुला कर उनके साथ विचार, सलाह और परस्पर विश्वास बनाने जैसी कोई पहल की। विपक्ष और विपक्ष की सबसे पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष से सीधी बात करने की हिम्मत नहीं दिखाई। राजनाथसिंह को आगे करके सहयोगी दलों और विपक्षी नेंताओं से दिखावे का सलाह-मशविरा था। किया वही जो मन में था।सभी निर्णय उसी ढर्रे में जो पिछले कार्यकाल से चला आ रहा है। इसलिए भाजपा के भीतर या सरकार में या संसद में वही होगा जो पहले होता आया है। नई सरकार का पालने में बीस दिनों के लक्षण वही है जो दस सालों का ढर्रा है। यह स्वभाविक है इसलिए क्योंकि नरेंद्र मोदी के लिए तीसरी दफा शपथ लेना ही परम संतोष याकि यह लक्ष्य प्राप्त है देखों, देखों मैंने जवाहरलाल नेहरू की तरह लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का कीर्तिमान बना लिया। मुझे इतिहास वैसे ही याद रखेगा जैसे नेहरू को रखता है!मतलब जैसे गांव, पंचायत में होता है कि यदि कोई सरपंच, लगातार दस-पंद्रह साल लगातार पद पर बना रहे तो वह और उसका परिवार अपने को इलाके का राजा हुआ मानता है और एसडीओ, बीडीओं तथा लोग सब उसके अंहम के कसीदे काढ़ते है। वैसे ही मनोभाव में नरेंद्र मोदी अपने प्रधानमंत्रित्व का तीसरा टर्म इस सोच में पूरा करेंगे कि जब तीसरी बार बन गए है तो ऐसा होना उनके 2014 से अपनाएं तौर-तरीकों और शासन की बदौलत ही तो है। इसलिए ढर्रा याकि यथास्थिति याकि बासी कढ़ी ही भारत का अमृत है। हिंदुओं और भक्तों की परम सिद्धी है तो कुछ बदलने की, या नया कुछ करने की भला क्या जरूरत है? शपथ हो गई है न। इसका अहसास कराने के लिए ही नरेंद्र मोदी ने शपथ समारोह को ज्यादा भीड़भरा और भारत के भीड़ चरित्र को उद्घाटित करने वाला बनाया। फिर बिना किसी एजेंडे के जबरदस्ती जी-7 की बैठक में भी चले गए। अब अगले महिने पुतिन से मिलेंगे तो बाद में चीन शी जिन पिंग के साथ भी फोटोशूट करवाएंगे। लाख टके का सवाल है कि जनादेश से नरेंद्र मोदी पर जमीन पर उतरे है या वे अपने को भगवान माने रहेंगे? पहली बात, जो व्यक्ति अपने को भगवान मान लेता है वह दिमाग में कभी यह पुर्नविचार नहीं लाता कि वह भगवान है या नहीं? दूसरी बात, भक्त वोटों के लिए बतौर भगवान उनका ब्रांड जब स्थापित है तो उनके दिल-दिमाग में क्यों हलचल पैदा की जाए? तीसरी बात, भगवान रहने का फायदा है कि बाकि सभी काम व्यवस्थापक और पुजारियों से संपन्न होता रहेगा। अमित शाह, राजनाथसिंह या प्रदेशों में अपने द्वारा स्थापित खड़ाऊ मुख्यमंत्रियों से जब मजे से काम चल रहा है तो भगवान क्यों इहलोक की बातों मतलब नीट परीक्षा, भीषण गर्मी या बाढ़, महंगाई, बेरोजगारी आदि की चिंता करें। भगवान को जरूरत ही नहींहै भव्य व्यक्तित्वों की केबिनेट, स्पीकर, राष्टपति या काबिल-समर्थ अफसरों की। भगवान की लीला से सब ऑटो मोड में दस वर्षों में चलता हुआ है तो ये पांच साल भी चलेंगे। जाहिर है हम भारतीयों की, विशेषकर हिंदुओं की नियति तय है। कुछ भी नया, कुछ भी अच्छा नहीं है मगर आस्था तो है कि सब प्रभु कृपा।

ब्रेन पावर बढ़ाने के लिए खाएं ये फूड्स

क्या आप कुछ पढ़ते और लिखते हैं और थोड़ी देर के बाद उसे भूल जाते हैं? लंबी-लंबी किताबों का ज्ञान याद रखने के लिए आपको रट्टा मारना पड़ता है? क्या आप सुबह की बातों को शाम को भूल जाते हैं? अगर इन सवालों का जवाब हां है तो आपको परेशान होने की जरूरत है। चीजों को याद न रख पाना इस बात का संकेत है कि आपकी सोचने और समझने की क्षमता कमजोर होती जा रही है। आसान भाषा में कहें तो आपकी ब्रेन पावर को हो रही है। आज के दौर में जब लोगों के पास वक्त की कमी हैं और काम ज्यादा हैं, ब्रेन पावर का कम होना बहुत ही आम बात है। ब्रेन पावर कम होने की वजह से इन दिनों लोग रोजमर्रा के काम याद रखने के लिए मोबाइल ऐप्स और नोट्स का सहारा लेना पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि ब्रेन पावर को स्ट्रांग बनाया जाए। ब्रेन पावर को स्ट्रांग बनाने के लिए योग, मेडिटेशन और खानपान को बैलेंस किया जाना चाहिए। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं 10 ऐसे फूड्स के बारे में, जिसको रोजाना की डाइट में शामिल करके दिमाग को काफी हद तक तेज बनाया जा सकता है।

ब्रेन पावर बढ़ाने के लिए खाएं ये 10 फूड्स-

हार्वर्ड हेल्थ पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, अपनी रोजाना का डाइट में फल, सब्जियां, नट्स और कई तरह के सीड्स को शामिल करके दिमाग को तेज बनाया जा सकता है। शोध के अनुसार, इन चीजों को खाने से कुछ ही दिनों में दिमाग की सोचने और समझने की क्षमता तेज हो सकती है। साथ ही आपको चीजों को याद करने में किसी तरह की परेशानी नहीं आती है।

1. ऑयली फिश (सैमन, हिलसा, सार्डिन)

ऑयली फिश जैसी कि सैमन, हिलसा और सार्डिन जैसी मछलियों का सेवन करने से ब्रेन की सोचने और समझने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है। ऑयली फिश में ओमेगा-3 फैटी एसिड का अच्छा सोर्स है। ओमेगा-3 दिमाग की कोशिकाओं के चारों ओर झिल्ली बनाने में मदद करता है। यह पोषक तत्व न्यूरॉन्स नामक मस्तिष्क कोशिकाओं की संरचना में सुधार करता है। जिससे दिमाग तेज होता है।

2. बैरीज (स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, ब्लू बैरीज, शहतूत)

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, ब्लू बैरीज और शहतूत में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट दिमाग की सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके मदद करते हैं। बैरीज में पाया जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट, एंथोसायनिन, कैफीक एसिड, कैटेचिन और क्रेरसेटिन दिमाग की कोशिकाओं के बीच संचार में सुधार करता है। इसकी वजह से सीखने और सोचने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है।

3. पालक

पालक में आयरन, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट पोषक तत्व होते हैं, जो दिमाग को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। पालक में मौजूद फोलेट और विटामिन दिमाग के सोचने और समझने की क्षमता को बढ़ाते हैं। डाइट में पर्याप्त मात्रा में पालक खाने से दिमाग के सोचने की शक्ति बढ़ती है।

4. केल

केल विटामिन ए, सी और के सहित पोषक तत्वों का एक पावर हाउस है। केल खाने से दिमाग की क्षमता बढ़ती है। हार्वर्ड की रिसर्च के अनुसार, केल को डाइट में शामिल करने से न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभावित होते हैं, जो दिमाग को शक्ति देते हैं।

5. डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में कोको होता है। कोको में फ्लेवोनोइड्स पाया जाता है। यह एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट होता है। एंटीऑक्सीडेंट दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते है। रोजाना थोड़ी मात्रा में डार्क चॉकलेट खाने से दिमाग में ब्लड फ्लो सुधारता है। जिससे ब्रेन की सोचने और समझने की क्षमता मजबूत होती है।

6. कोलार्ड

हम भारतीयों के लिए कोलार्ड थोड़ी नई सब्जी हो सकती है, लेकिन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। कोलार्ड में विटामिन के, ल्यूटिन और बीटा कैरोटीन पाया जाता है। यह पोषक तत्व ब्रेन हेल्थ को बढ़ाकर, याददाश्त को तेज बनाते हैं।

7. चुकंदर

शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने में चुकंदर काफी अहम भूमिका निभाता है। चुकंदर में मौजूद नाइट्रेट दिमाग में ब्लड के सर्कुलेशन को बढ़ाते हैं, जिससे मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

8. टमाटर

टमाटर लाइकोपीन से भरपूर होते हैं। लाइकोपीन न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव वाला एक एंटीऑक्सीडेंट है। रोजाना एक टमाटर खाने से दिमाग तेज होता है।

9. अंडे

अंडे प्रोटीन का पावर हाउस होते हैं। प्रोटीन के अलावा अंडों में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी-6, विटामिन बी 12 और फोलिक एसिड पाए जाते हैं। अंडे खाने से दिमाग की कोशिकाओं का विकास तेजी से होता है। जिससे सोचने की क्षमता मजबूत होती है। जिन लोगों को नई चीजें सीखने में परेशानी आती है, उन्हें भी रोजाना अंडों का सेवन करना चाहिए।

छाछ का सेवन खाने के साथ करना चाहिए या खाने के बाद?

गर्मियों में तापमान बढ़ने से बॉडी डिहाइड्रेट होती रहती है। इसलिए ऐसे में तरल पदार्थों का सेवन ज्यादा करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में छाछ पीना भी काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि इसके हाइड्रेटिंग गुण बॉडी को हाइड्रेट और एक्टिव रखने में मदद करते हैं। छाछ पीने से पाचन तो स्वस्थ रहता ही है, साथ ही आप रिफ्रेश भी रहते हैं। कई लोग खाने के साथ छाछ लेना पसंद करते हैं। जबकि कई लोग खाने के बाद छाछ पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इनमें से कौन-सा तरीका ज्यादा बेहतर है? किस तरह से सेवन करने से स्वास्थ्य को ज्यादा फायदे मिलते हैं? इस बारे में ज्यादा जानकारी के लिए हमने बात कि जिंदल नेचरक्योर इंस्टीट्यूट की चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ बबिना एन एम से।

छाछ का सेवन करना कब ज्यादा फायदेमंद ह

छाछ का सेवन आप कभी भी कर सकते हैं। लेकिन खाने के बाद इसका सेवन करना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। यह आपके लिए एक अच्छा पोस्ट मील ड्रिंक हो सकता है, जिससे आपको काफी देर तक भूख नहीं लगेगी। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड और प्रोबायोटिक्स आपके पाचन तंत्र को आसान बनाने में मदद करेंगे।

गर्मियों में छाछ के सेवन से आप डिहाइड्रेशन से बच सकते हैं। खाने के बाद एक गिलास छाछ पीने से आपकी बॉडी हाइड्रेट रहेगी। खाने के बाद यह जरूरी इसलिए है, क्योंकि इससे खाना पचने में मदद मिलती है।

खाना जल्दी पचता है

छाछ के सेवन से खाना जल्दी पचता है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स खाने को फूड पार्टिकल्स में तोड़ते हैं, जिससे पेट कंफर्टेबल रहता है। अगर आपने भारी खाना खा लिया है, तो छाछ पीने से आपको हल्का महसूस होगा। क्योंकि यह पाचन क्रिया तेज करके पेट को हल्का करने में मदद करता है।

सीने में जलन कम करे

खाने के बाद कई लोगों को एसिडिटी और सीने में जलन होने लगती है। ऐसे में छाछ के सेवन से जल्दी राहत मिल सकती है। यह अपच और कब्ज से भी राहत देता है। इसमें नेचुरल एसिड मौजूद होता है, जो खाना जल्दी पचाने में सहायक होता है।

गर्मियों में छाछ पीना क्यों फायदेमंद है

गर्मियों में अगर आप खाने के बाद छाछ लेते हैं, तो आपको कई फायदे मिलते हैं। यह आपको लू से बचाने और हाइड्रेट ररखने में मदद करता है। इसमें नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे पोटेशियम और सोडियम पाए जाते हैं। यह लो कैलोरी ड्रिंक होता है जिसके सेवन से आपको वजन घटाने में भी मदद मिलेगी। यह खाने के बाद आपकी प्यास बुझाने के लिए भी अच्छा ऑप्शन है।

अगर आप किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए दवा लेते हैं, तो इसका सेवन आपको एक्सपर्ट की सलाह पर करना चाहिए। लेख में दी गई जानकारी पसंद आई हो, तो इसे शेयर करना न भूलें।

सेहतमंद रहने के लिए डाइट में शामिल करें फर्मेंटेड फूड्स

बदलते मौसम में फिट और हेल्दी रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने गट का ख्याल रखें। दरअसल, वर्तमान समय में लोगों की लाइफस्टाइल में तेजी से बदलाव आ रहे हैं, जिसका बुरा असर सेहत पर पड़ रहा है। लाइफस्टाइल के साथ-साथ खानपान की आदतों में हो रहे बदलावों के कारण लोगों की गट हेल्थ खराब हो रही है, जिसके कारण सेहत से जुड़ी अन्य समस्याएं होने लगती है। गट को हेल्दी रखने के लिए जरूरी है कि आप अपने खानपान की आदतों में जरूरी बदलाव करें और बाजार में मिलने वाले पैक्ड फूड से दूरी बनाएं। इसके साथ ही डाइट में फर्मेंटेड फूड्स को शामिल करें। इस लेख में दिल्ली के एसेंट्रिक डाइट्स क्लीनिक की डाइटिशियन शिवाली गुप्ता शरीर के लिए फर्मेंटेड फूड्स के फायदे बता रही हैं।

सेहत के लिए फर्मेंटेड फूड के फायदे

डाइटिशियन शिवाली ने बताया कि फर्मेंटेड फूड्स जैसे कि दही, इडली, किमची, चावल कांजी, ढोकला और पनीर सेहत के लिए बेहद लाभदायक होते हैं। डाइटिशियन के बताया कि खासकर गर्मियों के मौसम में लोगों को फर्मेंटेड फूड्स का सेवन जरूर करना चाहिए। यहां जानिए, सेहत के लिए फर्मेंटेड फूड के फायदे।

1. आंत को हेल्दी रखे

फर्मेंटेड फूड में मौजूद प्रोबायोटिक्स माइक्रोबायोम (पाचन और समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक) बनाए रखने में मदद करते हैं। जो कि व्यक्ति के पाचन सिस्टम के लिए लाभदायक है। कई बार लोग कार्बोनेटेड ड्रिंक्स और बाहर मिलने वाले तलेभुने खाने का ज्यादा सेवन कर लेते हैं, जिसका बुरा असर गट हेल्थ पर पड़ता है। ऐसे में अगर आप डाइट में फर्मेंटेड फूड्स को शामिल करते हैं तो इससे गट हेल्थ बेहतर होती है।

2. पोषक तत्वों का अवशोषण

ढोकला, दही और किमची जैसे फर्मेंटेड फूड्स में पाए जाने वाले प्रोबायोटिक्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाचन क्रिया को बेहतर करते हैं और अवशोषण यानी अब्जॉर्प्शन को बढ़ाते हैं, जिससे शरीर को भोजन से जरूरी पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। प्रोटीन, फाइबर के साथ आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर फर्मेंटेड फूड्स का सेवन आप रोजाना कर सकते हैं।

3. इम्यूनिटी बेहतर करें

बदलते मौसम में सेहतमंद रहने के लिए जरूरी है कि आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी अच्छी हो। ऐसे में अगर आप एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फर्मेंटेड फूड्स का सेवन करते हैं तो इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स आपके इम्यून सिस्टम को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। जिससे आपके शरीर को विभिन्न संक्रमणों और बीमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है। खासकर, गर्मियों के मौसम में इम्यूनिटी अच्छी होना सबसे ज्यादा जरूरी है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस मौसम में इंफेक्शन और बीमारियों के चलते लोग ज्यादा बीमार पड़ते हैं।

4. वजन प्रबंधन

फर्मेंटेड फूड्स में मौजूद पोषक तत्व वजन को कंट्रोल में रखने और कम करने में मदद कर सकते हैं। फर्मेंटेड फूड्स आइटम्स न सिर्फ खाने में बेहद स्वादिष्ट होते हैं बल्कि इनका सेवन करने से जल्दी भूख कम लगती है, जिससे व्यक्ति ओवरईटिंग की समस्या से बच सकता है। अगर आप नाश्ते में इडली और डोसे जैसे फर्मेंटेड फूड्स का सेवन करते हैं तो इससे आपका पाचन बेहतर होगा और शरीर को एनर्जी भी प्राप्त होगी। नाश्ते के लिए ये एक अच्छा विकल्प हैं, जिससे वजन को मैनेज करना आसान हो सकता है।

मानसून में पीए साउथ की खास ड्रिंक रागी अंबाली, शरीर को मिलेगी ठंडक और हाइड्रेशन

रागी अंबाली एक पारंपरिक पेय पदार्थ है। यह ड्रकिं मुख्य रूप से दक्षिण भारत में लोकप्रिय है। इसे रागी के आटे से बनाया जाता है और यह ड्रकिं अपने पौष्टिक गुणों के कारण जानी जाती है। रागी अंबाली को आमतौर पर एक ताजगी भरी ड्रकिं कहलाई जाती है, जो खासकर गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक पहुंचाती है। रागी अंबाली को, रागी आटा, पानी और दही से तैयार कयिा जाता है। रागी अंबाली का स्वाद हल्का खट्टा होता है। लोग इसे नाश्ते में, दोपहर के भोजन में या शाम के वक्त पीते हैं। रागी में प्रोटीन, फाइबर, आयरन और कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। इसलिए इससे बनने वाली ड्रकिं सेहत के लिए फायदेमंद होती है। इस लेख में जानेंगे रागी अंबाली की रेसपिी और उसके फायदे। इस वषिय पर बेहतर जानकारी के लिए हमने Holi Family Hospital, Delhi की डाइटिशयिन सना गिल से बात की।

रागी अंबाली की रेसपिी

रागी अंबाली की रेसपिी बेहद आसान है। इसे बनाने का तरीका जान लें-

सामग्री

1 कप रागी का आटा
4 कप पानी
1/2 कप दही
स्वादानुसार नमक
हरी मिर्च
हरा धनिया
जीरा पाउडर

विधि

रागी मश्रिण तैयार करें

बाउल में 1 कप रागी का आटा लें और उसमें थोड़ा पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं ताकि कोई गांठ न बने।

एक चकिना पेस्ट बना लें।

एक गहरे बर्तन में 4 कप पानी उबालें।

जब पानी उबलने लगे, उसमें तैयार रागी का पेस्ट धीरे-धीरे डालें और लगातार चलाते रहें ताकि गांठ न बने।

इस मिश्रण को धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं।

इसे लगातार चलाते रहें जब तक यहगाढ़ा न हो जाए और कच्चे रागी का स्वाद चला न जाए।

पकने के बाद, इस मिश्रण को कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें।

अंबाली तैयार करें

मश्रिण के ठंडा होने के बाद, इसमें आधा कप दही डालें और अच्छी तरह मिलाएं।

दही की मात्रा अपने स्वाद अनुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं।

स्वाद के लिए इसमें नमक डालें।

अब मश्रिण में बारीक कटी हरी मिर्च, हरा धनिया और जीरा पाउडर मलिाएं।

रागी अंबाली तैयार है। इसे एक गिलास या कटोरी में डालें और ठंडा-ठंडा परोसें।

यह गर्मियों में विशेष रूप से ताजगी देने वाली ड्रकिं है। इसे पीने से शरीर को ठंडक मलिती है।

रागी अंबाली पीने से वजन घटता

रागी अंबाली का सेवन करने से भूख नियंत्रित होती है और बार-बार भूख लगने की समस्या कम होती है।

यह वजन घटाने में मदद करता है क्योंकि इसमें कम कैलोरी होती है और यह पेट भरा हुआ महसूस कराता है।

रागी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो हाई ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है जसिसे वजन घटता है।

रागी अंबाली में फाइबर की उच्च मात्रा पाचन तंत्र को सुधारती है और वेट लॉस में मदद करती है।

रागी अंबाली पीने के फायदे

रागी में कार्बोहाइड्रेट की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर को दिनभर ऊर्जा प्रदान करती है। यह विशेष रूप से बच्चों और एथलीट्स के लिए फायदेमंद होता है।

रागी में पोटैशियम की मात्रा होती है, जो उच्च रक्तचाप को कंट्रोल करने में मदद करता है।

रागी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा और बालों की सेहत में सुधार करते हैं और उन्हें स्वस्थ बनाते हैं।

रागी अंबाली शरीर को ठंडक पहुंचाता है, खासकर गर्मियों के मौसम में यह एक ताजगी भरी ड्रकिं है।

रागी में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। बच्चों और वृद्ध लोगों के लिए यह विशेष रूप से लाभकारी होता है। उम्मीद करते हैं कि आपको यह जानकारी पसंद आई होगी।

इस लेख को शेयर करना न भूलें।

एस्ट्रोजन की कमी को पूरा करते हैं ये माइक्रोन्यूट्रिएंट्स, डाइट में जरूर करें शामिल

पेरिमेनोपॉज और प्रजनन वर्षों के दौरान महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन अधिक होता है। एस्ट्रोजन को महिलाओं में होने वाले हार्मोनल असंतुलन की वजहों में से एक माना जाता है। एस्ट्रोजन हार्मोन महिलाओं में हड्डियों की मजबूती, प्रेग्नेंसी और पीरियड्स के लिए बहुत जरूरी है। एस्ट्रोजन का स्तर पीरियड्स के दौरान अलग होता है और बाद में गिर जाता है। जब शरीर में एस्ट्रोजन जरूरत से कम बनता है या सामान्य से अधिक बनता है, तो इसके कारण महिलाओं को स्वास्थ्य से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन ज्यादा हो जाता है, तो इसकी वजह से कैंसर, एंडोमेट्रियोसिस और पीसीओएस (PCOS) जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन के लेवल को बैलेंस करना बहुत जरूरी है। गट हेल्थ कोच और डाइटिशियन मनप्रीत कालरा के अनुसार, एस्ट्रोजन हार्मोन को बैलेंस करने के लिए आपको डाइट में कुछ खास माइक्रोन्यूट्रिएंट्स को शामिल करना चाहिए। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का सेवन करने से एस्ट्रोजन के अलावा शरीर में अन्य तरह के हार्मोन को भी बैलेंस करने में मदद मिलती है। हाल ही में डाइटिशियन मनप्रीत कालरा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में हेल्थ एक्सपर्ट ने उन 5 माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की जानकारी दी है, जो शरीर में एस्ट्रोजन की कमी को पूरा कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं...

1. विटामिन बी 6

विटामिन बी 6 की कमी होने पर एस्ट्रोजन के साथ ही सेरोटोनिन और डोपामाइन दोनों का बनना कम हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, एस्ट्रोजन का मेटाबॉलिज्म से सीधा कनेक्शन है। जिन लोगों का मेटाबॉलिज्म स्लो होता है, उनमें एस्ट्रोजन की कमी ज्यादा देखी जाती है। मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने और एंजाइम बनने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए विटामिन बी 6 का सेवन करना बहुत जरूरी है।

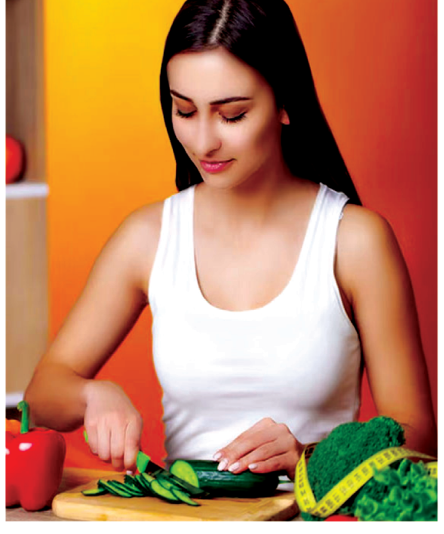

विटामिन बी 6 के लिए आप डाइट में चना और शकरकंद जैसी चीजें खा सकते हैं।

2. सेलेनियम

सेलेनियम एस्ट्रोजन के डिटॉक्सिफिकेशन को बढ़ावा देता है। एस्ट्रोजन डिटॉक्सिफिकेशन की बात आती है, तो इसमें हमारा लिवर बहुत अहम भूमिका निभाता है। लिवर फंक्शन को ठीक रखने के लिए डाइट में सेलेनियम युक्त चीजों को शामिल करना चाहिए। इसके लिए, आप ब्राजील नट्स, सूरजमुखी के बीज और हेजलनट को डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। डायटरी फाइबर का सेवन करने से पेट को दुरुस्त रखने में मदद मिलती है। डायटरी फाइबर की कमी को पूरा करने के लिए आप डाइट में साबुत अनाज, हरी सब्जियां और क्रूसिफेरस सब्जियों को शामिल कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले फोल्डेबल स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग शुरू की

रायपुर। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्राण्ड सैमसंग ने अब अपने उपभोक्ताओं के लिए गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले फोल्डेबल स्मार्टफोन्स की प्री-बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। इस तरह उपभोक्ताओं को खास ऑफर्स के साथ यह स्मार्टफोन जल्दी मिल सकेंगे। ग्राहक Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और भारत में अग्रणी रिटेल दुकानों पर 2000 रूपये की टोकन राशि देकर गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। गैलेक्सी जेड सीरीज के अगले स्मार्टफोन्स को प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को इन उत्पादों की खरीदी पर 7000 रूपये तक के फायदे भी मिलेंगे। सैमसंग ने हाल ही में यह घोषणा की थी कि वह 10 जुलाई को अपने ग्लोबल इवेंट में नेक्स्ट जनरेशन के गैलेक्सी जेड सीरीज स्मार्टफोन्स एवं इकोसिस्टम डिवाइसेस लॉन्च करेगा। अपने एक वक्तव्य में सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन पेरिस में होगा। वहां संस्कृतियों का प्रसिद्ध संगम- बिन्दु और प्रचलनों का केन्द्र हमारे नये एवं अत्याधुनिक नवाचारों की पेशकश का सबसे बढ़िया परिदृश्य देगा। कंपनी ने आगे कहा कि, ''गैलेक्सी एआई का अगला मोर्चा खुल रहा है। अब नई गैलेक्सी जेड सीरीज और और गैलेक्सी के पूरे इकोसिस्टम में भी गैलेक्सी एआई की ताकत को जानने के लिये तैयार हो जाइये। संभावनाओं की दुनिया में जाने की तैयारी कर लीजिये, क्योंकि हम मोबाइल एआई के नये फेज़ में कदम रख रहे हैं।''

बहुभाषी उत्कृष्टता का जश्नः एनआईएफट्रांसलेशन फेलोशिप 2024-25 के विजेताओं की घोषणा

रायपुर। न्यू इंडिया फाउंडेशन (एनआईएफ) ने एनआईएफट्रांसलेशन फेलोशिप 2024-25 के राउंड 2 के विजेताओं की घोषणा की है। सभी 10 भारतीय भाषाओं (असमी, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मराठी, मलयालम, ओडिया, तमिल, उर्दू) के महत्वपूर्ण नॉन-फक्शिन काम को अंग्रेजी में ट्रांसलेशन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के साथ, एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप देश के विविध साहित्यिक परंपराओं में ज्ञान ग्रंथों के समृद्ध इतिहास को प्रदर्शित करती है। प्रत्येक विजेता को 6 महीने तक 6 लाख रुपए का स्टाइपेंड दिया जाएगा, ट्रांसलेशन फेलोशिप में 1850 के बाद प्रकाशित भारतीय भाषाओं के ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद किया जाएगा। विजेताओं को संपादकीय और वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ ही एनआईएफके ट्रस्टी और प्रतिष्ठित द्विभाषी विद्वान और लेखकों वाली भाषा विशेषज्ञ समिति के साथ काम करने का अवसर भी मिलेगा। एनआईएफका उद्देश्य अनुवादित पुस्तकों के माध्यम से समकालीन भारत के इतिहास के बारे में ज्ञान का समर्थन करने के अपने मिशन को आगे बढ़ाना है। पिछले दो दशकों के दौरान एनआईएफ बुक फेलोशिप कार्यक्रम में 33 किताबों का प्रकाशन किया जा चुका है। एनआईएफ बुक और एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप हर साल अल्टरनेट रूप से आयोजित की जाती है, इसके लिए हर साल अगस्त और दिसंबर के बीच आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। एनआईएफ ट्रांसलेशन फेलोशिप के राउंड 2 पर बोलते हुए, श्रीनाथ राघवन, चेयरपर्सन, एनआईएफ फेलोशिप ने कहा, ट्रांसलेशन फेलोशिप के पीछे का आइडिया भारतीय भाषाओं में भारत के बारे में लिखे गए नॉन-फिक्शन प्रमुख ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद करना, और इन महत्वपूर्ण ग्रंथों को अधिक व्यापक पाठकों तक पहुंचाना है।

कलर्स का नया शो 'मिश्री' रिश्तों की मिठास और अपरंपरागत रिश्ते को सेलिब्रेट करता है

रायपुर। 'रिश्ते वक्त से नहीं दिल से बनते हैं।' वो पुराने दिन कितने अच्छे थे जब रिश्तों को दिल से निभाया जाता था और खून के रिश्तों से परे खुशी मिलती थी। आज के दौर में जहां रिश्ते कमज़ोर हो गए हैं, कलर्स 'मिश्री' को लॉन्च करने के लिए तैयार है, ऐसी कहानी जो 'रिश्तों की मिठास' को वापस लाती है। जब हालात खलनायक की भूमिका निभाते हैं, तब मिश्री, वाणी और राघव की ज़िंदगी आपस में जुड़ जाती है क्योंकि वे एक-दूसरे का चुना गया परिवार और भावनात्मक सहारा बन जाते हैं। अपने सपनों से प्रेरित होकर, वे ज़िंदगी की मुश्किलों का सामना करते हैं, क्योंकि उन्होंने सबसे बड़ा जैकपॉट जीता है: एक-दूसरे का साथ। अक्सर स्वार्थ से भरी दुनिया में, एक-दूसरे का निस्वार्थ सम्मान करना बिना किसी संदेह के साबित करता है कि रिश्ते हालातों से बड़े होते हैं। मथुरा के पास गंगापुर में रहने वाली, मिश्री को ज़िंदा तालिस्मान माना जाता है, जो जिस भी अवसर पर जाती है, वह सौभाग्यशाली हो जाता है। हालांकि, उसकी खुद की ज़िंदगी चुनौतियों से भरी हुई है।

चाय पिलाकर युंकाईओ ने रेलवे प्रशासन को जताई विरोध

गेवरा स्टेशन से यात्री ट्रेनों का परिचालन न करने एवं यात्री ट्रेनों की लेटलतीफ़ी का किया विरोध

बिलासपुर/कोरबा (समय दर्शन)। युवा कांग्रेस ज़िला कोरबा द्वारा युवा कांग्रेस ज़िला महासचिव मधुसूदन दास के नेतृत्व में गेवरा स्टेशन से बंद यात्री गाड़ियो के परिचालन की माँग एव कोरबा आने वाले ट्रेनों की लेटलतीफ़ी से परेशान होकर अनोखा प्रदर्शन करते हुए रेलवे के अधिकारियो को चाय पिलाकर कुभकर्णीय नींद से जगाने का प्रयास किया साथ ही साथ डीआरएम का पुतला जला कर विरोध भी दर्ज करवाया एवं चेतावनी देते हुए कहा की 7 दिवस के भीतर माँगे ना मानने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी भी दिया।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस महासचिव दास ने कहा की -- कोविड काल के समय से रेलवे प्रबंधन द्वारा गेवरा स्टेशन से जो ट्रेनें बंद की गई है आज तक पुनः शुरू ही नहीं किया गया केवल मालगाड़ी लोडिंग के चक्कर में यात्रियों को

मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है नदी उस पार का एक ही स्टेशन है परंतु क्यों प्रबंधन है की अपनी मनमानी करने पर तुला हुआ है एक मेमू लोकल वो भी बिना टाईम के चला कर कुंभकर्णीय नींद में सो गये ही साथ ही साथ ट्रेनों की लेटलतीफ़ी का क्या ही कहना पहले 7 ट्रेनें चलती थी परंतु अब क्या ही कहना हमारा केवल यह माँग है की रेलवे प्रशांसन गेवरा स्टेशन से बंद सभी यात्री ट्रेनों को शुरू करे एव यात्री ट्रेनों को सही समय पर चलाये आज तो केवल चाय पिलाकर प्रबंधन को कुंभकर्णीय नींद से जगाया गया है और छ्रक्रूका पुतला फूका गया है माँग न मानने पर हमारे द्वारा चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी प्रबंधन की होगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से युवा कांग्रेस महासचिव नरेंद्र यादव, दीपक दास महंत, प्रहलाद साहू, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष दीपेश यादव, एनएसयूआई महामंत्री जुनैद मेमन, आरटीआई कांग्रेस अध्यक्ष बबलू मरवा, विधानसभा अध्यक्ष आकाश पटेल, सचिव धनंजय राठौर, अनेक युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, आरटीआई कांग्रेस के साथी उपस्थित थे।

समस्याओं से घिरा है आत्मानंद स्कूल : आत्मानंद स्कूल में है समस्याओं का अंबार, यहां कैसे बच्चे गढ़ेंगे अपना भविष्य

बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। ब्लॉक मुख्यालय बिलाईगढ़ में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल इन दोनों मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। यहां मूलभूत सुविधाओं की अभाव के चलते छात्र छात्राओं के साथ शिक्षक शिक्षिकाओं को भी काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे तो यह शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है लेकिन स्कूल में जो सुविधा बच्चों को मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है। स्कूल के प्राचार्य नरेंद्र कुमार साहू ने जिला कलेक्टर धर्मेश साहू को पत्र देकर मूलभूत सुविधाओं के लिए मांग किया है लेकिन अब तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई है । कुछ दिन पहले ही शिक्षण सत्र 2024 की शुरुआत हुई है अब स्कूलों में धीरे-धीरे समस्या बढ़ती जा रही है। बात करें बिलाईगढ में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी और हिंदी माध्यम विद्यालय की तो यहां करीब 1000 बच्चे अध्यनरत है लेकिन बच्चों के अनुपात में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही है प्राचार्य नरेंद्र साहू का कहना है कि यहां चौकीदार और चपरासी की समस्या, किचन सेड की समस्या, पानी की समस्या, प्रसाधन कक्ष की समस्या, बाउंड्री वॉल की समस्या, पार्किंग की समस्या समेत अन्य कई समस्याओं का अंबार है।

चतुर्थ श्रेणी के पूरे के पूरे पद खाली : मिली जानकारी के अनुसार यहां हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में चतुर्थ श्रेणी वर्ग के कर्मचारी चपरासी और चौकीदार का 10 पद है और पूरे 10 के 10 पद खाली है जिसकी वजह से स्कूल का ताला खोलना के साथ ही साथ साफसफाई और अन्य कार्यों के लिए खुद प्राचार्य और शिक्षक शिक्षिकाओं को चपरासी का कार्य करना पड़ रहा है। साथी चौकीदार नहीं होने की वजह से इस स्कूल में बीते दिनों चोरी जैसे घटना भी हो चुकी है जिसका एफआईआर बिलाईगढ़ थाने में दर्ज है।

माध्यम भोजन बनाने में समस्या : इस स्कूल में तीन महिला स्व सहायता समूह के महिलाओं के द्वारा बच्चों के लिए मध्यान भोजन बनाया जाता है लेकिन किचन सेड नहीं होने की वजह से काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिस स्थान में खाना बनाया जाता है वहा से आग का धुवा क्लास रूम में सीधा जाता है जिससे पढ़ने में बच्चो को परेशानी होती है । साथ ही बच्चों को जमीन में बैठकर खिलाने में भी परेशानी हो रही है क्लासरूम में ही महिला स्व सहायता समूह के महिलाओं के द्वारा बर्तन एवं अन्य सामानों को रखा जा रहा है। बीते दिन ही महिला स्व सहायता समूह के चावल की बोरी को भी अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ले गया। किसके साथ ही बड़ी संख्या में स्कूल में कबाड़ का भी सामान रखा है जिसकी वजह से भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है शाला विकास समिति के गठन नहीं होने की वजह से इन सामानों को भी बिक्री करने में समस्या हो रही है । बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन सभी समस्याओं का समाधान करना अति आवश्यक है अब देखने वाली बात होगी की खबर दिखाई जाने के बाद शासन प्रशासन इस ओर कब तक ध्यान देती है ।

तीन नए कानून का जागरूकता के लिए पाटन कालेज में कार्यशाला का आयोजन

छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को विशेष जानकारी दी गई

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में शासन द्वारा 2023 में पारित प्रस्तावित तीन नए कानूनों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस थाना पाटन के पुलिस विभाग के अधिकारियों ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को विशेष जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शोभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पुलिस थाना पाटन से आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया । इस सेमिनार का आयोजन राजनीति शास्त्र और समाजशास्त्र विभाग के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन आई. क्यू. ए. सी. के तत्वाधान में किया गया । मुख्य वक्ता पुलिस थाना पाटन के श्री अनिल कुमार साहू नगर निरीक्षक ,इस अवसर पर थाना पाटन के उपनिरीक्षक जलालुद्दीन कुरैशी, प्रधान आरक्षक खिलेश्वर साहू, आरक्षक होमन साहू एवं दुष्यंत भारती भी उपस्थित थे । आपने बताया कि आगामी माह 01 जुलाई से भारत सरकार द्वारा पारित तीन नए कानून लागू किए जाएंगे । यह तीन नए कानून हैं- भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 । आपने आगे बताया कि यह कानून क्रमशः आईपीसी- 1860 सीआरपीसी-1973 और साक्ष्य अधिनियम - 1872 का स्थान लेंगे । नए कानून को लागू करने का उद्देश्य, देश में आधुनिक न्याय व्यवस्था को लागू करना है । नए भारतीय न्याय संहिता में 511 के स्थान पर 358 धाराएं रखी गई है । टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर जोर, महिलाओं और बच्चों के खिलाफहोने वाले अपराधों पर विशेष ध्यान दिए जाने का प्रावधान किया गया है द्य क्रिमिनल कानून में भी बदलाव किए गए हैं द्य सजा और इंसाफदिलाने में टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने की कोशिश, मोब लीचिंग के मामलों में दंड का प्रावधान किया गया है द्य प्रथम सूचना रिपोर्ट से जजमेंट तक की सब प्रक्रिया ऑनलाइन होगीद्य आपने नए कानून की प्रमुख बातों को महाविद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों को बताई। आपने उपस्थित छात्र-छात्राओं के पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया । कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो बी. एम. साहू ने भी संबोधित किया । कार्यक्रम का संचालन राजनीति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष श्री जितेंद्र मंडावी ने किया । अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. बी. एम. साहू ने किया ।

छत्तीसगढ़ राज्य में मंडल कमीशन की सभी अनुशंसाओं को करें लागू

अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए तत्काल 27 प्रतिशत का आरक्षण सभी क्षेत्रों में लागू करने की मांग

दुर्ग (समय दर्शन)। ओबीसी महासभा दुर्ग के प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष जितेंद्र साहू के नेतृत्व में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक ललित चंद्राकर और दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक गजेन्द्र यादव से सौजन्य मुलाकात कर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन रायपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छत्तीसगढ़ राज्य में मंडल कमीशन की सभी अनुशंसाओं को लागू करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए तत्काल 27 प्रतिशत का आरक्षण सभी क्षेत्रों में लागू करने की मांग की गई है। क्रीमीलेयर समाप्त करने,ओ बी सी महासभा के लिए भूखंड आवंटित करने एवं भवन निर्माण, छात्रावास की व्यवस्था, पंचायत एवं नगरीय चुनावों में संख्या के अनुपात में सीटों का आरक्षण, जाति-आधारित जनगणना कराने,ओ बी सी प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया सरल करने, ओबीसी कल्याण बोर्ड का गठन,एट्रोसिटी एक्ट बनाने, सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत श्रमिकों को केन्द्रीय वेतनमान प्रदान करने, किसानों के

लिए पर्याप्त बीज व खाद की उपलब्धता, राज्य प्रशासनिक सेवा के पदों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया समाप्त करने, प्राचार्यों के पदों के लिए लम्बित पदोन्नति को जल्द करने,धान के समर्थन मूल्यों में वृद्धि आदि की मांग की गई है। प्रतिनिधि मंडल में संरक्षक टी आर साहू, जिला सचिव अनिता वर्मा,ब्रम्हदेव पटेल, सीमा साहू, सुनीता शर्मा,राजेश कुमार, चन्द्रहास साव, नोहर सिंह गजेन्द्र सहित अन्य लोग शामिल रहे।

स्कूल निरीक्षण पर पहुंची कलेक्टर, दिखी टीचर की भूमिका में, विद्यार्थियों से पूछे सवाल

- शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नेवई, डूमरडीह स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेलूद का किया निरीक्षण
- बच्चों में अक्षर एवं गणितीय ज्ञान को परखा

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज नये शिक्षा सत्र प्रारंभ होने पर शालाओं में अध्ययन-अध्यापन, शिक्षा की गुणवत्ता एवं शिक्षकों की उपस्थिति का जायजा लेने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नेवई, शासकीय प्राथमिक शाला डूमरडीह, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डूमरडीह एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेलूद का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूलों के सभी कक्षाओं का अवलोकन किया।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नेवई का किया निरीक्षण : कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नेवई की चौथी क्लास के बच्चों से अक्षर ज्ञान एवं गणितीय ज्ञान को परखा। कलेक्टर ने अक्षर ज्ञान को परखने के लिए बच्चों से हिन्दी पाठ्यपुस्तक से एक पैराग्राफ पढ़कर सुनाने को कहा। तत्पश्चात बच्चों को ब्लेक बोर्ड में अभिलाषा लिखने को कहा। उन्होंने सभी बच्चों को अपने-अपने नाम की स्पेलिंग हिन्दी और अंग्रेजी में लिखने को कहा। जिसे बच्चों ने अपनी कॉपी में लिखकर उन्हें दिखाया। कलेक्टर ने बच्चों से छत्तीसगढ़ की राजधानी और भारत की राजधानी से संबंधित प्रश्न पूछा। जिस पर सभी बच्चों ने सही-सही जवाब दिया। इस दौरान क्लास रूम में उपस्थित शिक्षिका को कमजोर बच्चों का चिन्हांकन कर उन पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

डूमरडीह स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण : कलेक्टर ने तीसरी क्लास के बच्चों में गणितीय ज्ञान को परखने के लिए बच्चों से पूछा कि आप में से कौन बच्चा एक से लेकर 30 तक गिनती सुनाएगा। आधे बच्चों ने हाथ उठाकर हामी भरी और एक छात्रा ने खड़े होकर 1-30 तक गिनती सुनाई। कलेक्टर ने इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी से शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली। चौथी क्लास में हिन्दी पाठ्यपुस्तक का रिडिंग कर रहे बच्चों से 'गुण' का अर्थ पूछा। साथ ही उन्होंने 51-60 तक गिनती पूछी। इसके बाद उन्होंने बच्चों से ब्लेक बोर्ड में 'वन (एक) की स्पेलिंग लिखने को कहा। जिस पर बहुत सारे बच्चों द्वारा गलत स्पेलिंग लिखे जाने पर उपस्थित शिक्षक को अंग्रेजी स्पेलिंग पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही अभ्यास पुस्तिका बच्चों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डूमरडीह स्कूल निरीक्षण : कलेक्टर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डूमरडीह स्कूल पहुंचकर आठवीं क्लास के बच्चों को अंग्रेजी का एक पैराग्राफपढ़ने को कहा। साथ ही उन्होंने ब्लेक बोर्ड में 'छत्तीसगढ़' को हिन्दी और अंग्रेजी में लिखने कहा। अधिकांश बच्चों को 'छत्तीसगढ़' को अंग्रेजी में लिखने में दिक्कते आई। इसी प्रकार सातवीं के बच्चों को संस्कृत पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछा। उन्होंने वहां उपस्थित शिक्षक से अन्य पाठ्यक्रम हिन्दी और अंग्रेजी की कक्षाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राचार्य को शौचालयों में टाईल्स लगाने के निर्देश दिए।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेलूद का निरीक्षण : निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री चौधरी ने प्रोजेक्टर के द्वारा पढ़ाई कर रहे नौवीं क्लास के बच्चों से हिन्दी का पाठ पढ़ने को कहा। पाठ्यक्रम के अनुसार प्रश्नोत्तरी किए, अधिकांश बच्चों ने कलेक्टर के पूछे गए सवालों का सही सही जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने बारहवी के विज्ञान एवं गणित संकाय के विद्यार्थियों से भी प्रश्न पूछे। सभी विद्यार्थियों ने पूछे गए प्रश्न का सही उत्तर दिया। कलेक्टर ने बच्चों से कहा कि कड़ी मेहनत लगन से पढ़ाई करें और अपनी मंजिल को हासिल करें। इस दौरान कलेक्टर ने स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा, समग्र शिक्षा अधिकारी श्री सुरेन्द्र पाण्डेय सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

खबर-खास

तकरीबन 60 फीसदी एमएसएमई 2025 तक अपने कारोबार को डिजिटलीकृत करने की योजना बना रहे हैं, 'वी बिज़नेस रैडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी , वॉल्युम 2.0 2024 ने बताया

रायपुर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो देश के जीडीपी में तकरीबन 30 फीसदी योगदान देते हैं। कई अध्ययनों के अनुसार एमएसएमई 2027 तक जीडीपी में 35-40 फीसदी योगदान देंगे। ऐसे में ज़रूरी है कि एमएमएसई अपनी विकास की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए डिजिटल रूपान्तरण को अपनाएं ताकि वे 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। डिजिटल रूपान्तरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार कई नीतियां एवं पहलें लेकर आई है जैसे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, उद्यम पोर्टल, उद्यमी मित्रा आदि जो एमएसएमई सेक्टर की उत्पादकता बढ़ाने, इनके संचालन को सुगम बनाने और समग्र प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में कारगर हो रही हैं। भारत सरकार के विकास एजेंडा के साझेदार के रूप में जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी की एंटरप्राइज़ शाखा वी बिज़नेस ने विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर राष्ट्रव्यापी अध्ययन 'वी बिज़नेस रैडी फॉर नेक्स्ट एमएसएमई ग्रोथ इनसाईट स्टडी (वॉल्युम 2.0 2024) के परिणाम जारी किए हैं। यह व्यापक अध्ययन 16 सेक्टरों- आईटी एवं आईटीईएस, फाइनैंशियल सर्विसेज़, परिवहन, निर्माण, रीटेल, कृषि, मीडिया एवं एंटरटेनमेन्ट, मैनुफैक्चरिंग आदि में एमएमएसई की डिजिटल परिपक्वता पर रोशनी डालता है और बताता है कि वे किस तरह अपने संचालन में डिजिटलीकरण और टेक्नोलॉजी को अपना रहे हैं।

कलेक्टर अग्रवाल ने दो श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रामलला दर्शन के लिए निकले जिले के 91 श्रद्धालु

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा राज्य के राम भक्तों के लिए नि:शुल्क अयोध्या धाम में श्रीराम के दर्शन भ्रमण हेतु श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत की गई है,और सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से प्रत्येक जिलों से चयन कर उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में आज कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में गरियाबंद जिले से भी 91 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था का चयन किया गया जो आज सुबह वन विभाग के ऑक्शन हाल परिसर से 91 तीर्थ यात्रियों का दल श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) के लिए रवाना हुये।उनके साथ में श्रद्धालुओं के देख-देख के लिए तीन अनुरक्षक भी गये है।

चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया।रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) की यात्रा के लिए ले जाया

जाएगा तथा यात्रा पश्चात तीर्थयात्रियों की बुधवार 7 जुलाई को वापसी होगी।कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने राम भक्तों को सुबह 8 बजे हरी झण्डी दिखाकर गाड़ी को रवाना किया। इस दौरान कलेक्टर ने यात्रियों को गुलाल लगाकर व पुष्पहार पहना शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।श्रद्धालुओं ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि इस योजना से हम लोगों का श्रीराम के दर्शन करने का सपना पूरा हो रहा है।इस दौरान रामलला दर्शन योजना कि जिले के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत् श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा। जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने,वहां रहने की व्यवस्था,मंदिर दर्शन,नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी।इस ट्रेन में टूर एक्सपर्ट,सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा।इस अवसर पर एसडीएम विशाल महाराणा,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी. ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र व स्कूल का किया निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज सुबह जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न आंगनबाड़ी व स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र डाकबंगला का निरीक्षण करते हुए बच्चों की उपस्थिति, साफ-सफाई करने,सामग्रियों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये।इस दौरान रसोई कक्ष,सामग्री कक्ष का भी अवलोकन किया।साथ ही बच्चों को दिये जाने वाले पूरक पोषण आहार निर्धारित डाइट के अनुसार गुणवत्तापूर्ण देने को कहा।कलेक्टर ने आंगनबाड़ी में बच्चों की दर्ज उपस्थिति के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सभी बच्चों को समय अनुसार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर उपस्थिति सुनिश्चित कराये,जिससे कि सभी बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी मिल सके। कलेक्टर ने अंगबाड़ी कार्यकर्ता अनुसुईया सिन्हा से कुल दर्ज संख्या वर्तमान उपस्थिति,कुपोषित बच्चों की संख्या, नाश्ता व भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों की कम उपस्थिति पर बच्चों के पलकों से मिलकर उनके बच्चो को आंगनबाड़ी भेजने के लिए प्रेरित करने कहा।इसके पश्चात कलेक्टर ने डाकबंगला के ही प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए प्रस्ताव देने को कहा। साथ ही परिसर पर किये गये अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने स्कूल परिसर को साफ सफाई कराने और सोख्ता गड्ढा बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला बच्चों को गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकें वितरण की जानकारी ली।इस पर बच्चों को पुस्तकें वितरण नहीं करने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बच्चों से उनके नाम,पाहड़ा,बारहखड़ी,गिनती, कविता,खेलकूद एवं उनके रूचि के बारे में भी जानकारी ली।इस बच्चों ने दौरान बड़े उत्साह के साथ अपनीअपनी रूचि के बारे में बताया।इसके अलावा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डाकबंगला पहुंचकर बच्चों एवं शिक्षकों की उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया।उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों को स्कूल में स्कूली शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा के बारे में भी बताये।क्योंकि बच्चों का अधिक समय स्कूल में व्यतीत होता है।जिस तरह से शिक्षक अपने विद्यार्थियों को बताते है,उससे अधिक वे सिखते है।कलेक्टर ने कहा कि साफ-सफाई एवं अन्य चीजों को व्यवस्थित रखे। साथ बच्चों को जनरल नॉलेज की जानकारी भी बताये।

कलेक्टर ने कक्षाओं में जाकर बच्चों से उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी लेने के साथ ही बच्चों के ज्ञान का स्तर परखने के लिए उनसे गणित,अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान से संबंधित सवाल भी पुछे।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने स्वयं क्लास रूम मे पहुंचे और बच्चों से बातचीत की और उनसे सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न भी पूछे।कलेक्टर ने बच्चों से पूछा क्या बनना चाहते हो तो बच्चों ने कहा आर्मी ऑफिसर,डॉक्टर,शिक्षक,पुलिस, तहसीलदार और एक अन्य बच्चे ने आईपीएस ऑफिसर बनने का लक्ष्य बताया।इस पर कलेक्टर ने सराहना करते हुए कहा कि मन लगाकर पड़ाई करें निश्चित ही सफलता मिलेगी।प्राथमिक एवं मीडिल स्कूल के प्रधानपाठकों ने बताया कि स्कूल के कुछ बच्चों के आंख में समस्या है, जिस पर कलेक्टर ने नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं अन्य चिकित्सकों को स्कूल में आकर सभी बच्चों का स्वास्थ्य जांच करने के निर्देश दिये।इस अवसर पर कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन के रसोई का भी अवलोकन किया और पूछा कि कौन सी सब्जी बनाई जा रही है। खाने में क्या-क्या शामिल हैं।इसके पश्चात कलेक्टर श्री अग्रवाल जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय पहुंचे।उन्होंने अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के कक्षा 9वी के छात्रों को अंग्रेजी,गणित विषय के सवाल पूछे।साथ ही बच्चों से उन्होंने देश के प्रधानमंत्री, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सहित अन्य सामान्य ज्ञान के बारे में प्रश्न पुछे।इस पर बच्चों ने प्रश्नों के जवाब भी दिये। आत्मानंद स्कूल के प्राचार्य के अनुरोध पर कलेक्टर ने स्कूल में पेयजल के लिए पानी की व्यवस्था एवं पार्किंग शेड सहित अन्य निर्माण कार्यो के लिए स्वीकृत करने को कहा।इस दौरान एसडीएम विशाल महाराणा सहित प्राचार्य व शिक्षकगण मौजूद थे।

स्कूल जतन योजना से जिले के स्कूल भवनों का हो रहा कायाकल्प

मरम्मत,जीर्णोद्धार एवं रंगाई-पुताई से बन रहा पढ़ाई का बेहतर माहौल

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार बच्चों को पढ़ाई का बेहतर माहौल प्रदान करने एवं सर्व सुविधायुक्त अधोसंरचना विकसित करने के उद्देय से स्कूल जतन योजना के तहत जिले के स्कूलों का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य लगातार जारी है।योजना अंतर्गत जिले में 536 कार्य पूर्ण हो चुके है।कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार स्कूल भवनों के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के कार्य तेजी से जारी है।उन्होंने बचे हुए कार्यो को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये है।स्कूल जतन योजना अंतर्गत स्कूल भवनों के मरम्मत, जीर्णोद्धार एवं रंगाई-पुताई से बच्चों को पढ़ाई का बेहतर माहौल मिल रहा है।नए शिक्षा सत्र में बिल्कुल नए कलेवर में अपना पुराना स्कूल देखकर बच्चे खुश हैं।अच्छा वातावरण निश्चित रूप से विद्यार्थियों के मानसिक दबाव को कम करते हुए अच्छी शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करता है। स्कूल जतन योजना अंतर्गत आवश्यकतानुसार स्कूलों में छतों को सुधारने का काम,पॉलिश, दीवारों में रंगरोगन, शौचालयों की मरम्मत,कक्षाओं में टाइल्स के साथ-साथ आकर्षक साज-सज्जा एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण का कार्य किया जा रहा है।इससे स्कूल भवन देखने में काफी आकर्षक लग रहे है।जिले के जिन स्कूलों में मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है।वे बिल्कुल नये स्वरूप में नजर आ रहे है। इन स्कूल के बच्चों को बेहतर परिवेश में पढ़ने की सुविधा मिल रही है।ग्रामीण एवं बच्चों के माता-पिता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस योजना से बच्चों को बेहतर स्कूल भवन मिलेगा और वे अच्छे से पढ़ाई कर पाएंगे।कलेक्टर श्री अग्रवाल स्कूल मरम्मत के प्रगतिरत कार्यों पर लगातार नजर बनाये हुए है।साथ ही बच्चों को पढ़ाई का बेहतर संसाधन एवं स्कूल भवन प्रदान करने के लिए लगातार अधिकारियों को तेजी से काम करने के लिए निर्देशित भी कर रहे हैं।

!! न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.) !!

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र./202407101400008 अ 74 वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका देवश्री साहू पिता श्री सोहन लाल साहू निवासी रूद्री तहसील धमतरी जिला- धमतरी (छ.ग.) ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि मौजा धनोरा प.ह.नं. 53 स्थित भूमि खसरा नंबर 602/46 रकबा 0.0180 हे. लगान 0.02 रू. भूमि भूमिस्वामी देवश्री साहू पति शैलेन्द्र कुमार साहू पता- एल.आई.जी. 570 के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि का मूल ऋणपुस्तिका गुम हो जाने से न्यायालय से नया ऋणपुस्तिका प्राप्त किये जाने आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक. 23/7/2024 तक तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02.07.2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता रामप्रताप साहू (RAMPRATAP SAHU) आत्मज-काशीराम साहू (KASHIRAM SAHU) उम्र लगभग 63 वर्ष, निवासी मकान नंबर-58, वार्ड नंबर-06. कोटनी दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ०ग०) 491001, मेरे नाम से जारी किया गया पासपोर्ट में मेरा नाम RAM PRATAP पिता-KASHIRAM दर्ज किया गया हैं। मेरे नाम से जारी किया गया आधार कार्ड में मेरा नाम रामप्रताप साहू (RAMPRATAP SAHU) आत्मज काशीराम साहू (KASHIRAM SAHU) दर्ज हो गया हैं। मेरा नाम RAM PRATAP पिता-KASHIRAM एवं रामप्रताप साहू (RAMPRATAP SAHU) आत्मज काशीराम साहू (KASHIRAM SAH) है, जो कि दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मुझ शपथकर्ता का ही नाम हैं।

मैं इस शपथ-पत्र के माध्यम से चाहता हूँ, कि मेरा सही व मान्य नाम रामप्रताप साहू (RAMPRATAP SAHU) आत्मज-काशीराम साहू (KASHIRAM SAHU) उम्र लगभग 63 वर्ष, निवासी मकान नंबर-58, वार्ड 2 नंबर-06, कोटनी दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ०ग०) 491001 हैं, जो कि इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाता हूँ।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं राकेश गोयल (RAKESH GOYAL) आत्मज-किशन लाल गोयल (KISHAN LAL GOYAL) उम्र लगभग 37 वर्ष, निवासी-मकान नंबर-116, गायत्री वार्ड नंबर-25, दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 491001, मेरे नाम से जारी किया गया पासपोर्ट में मेरा घर का पता BEHIND APSARA SANTRA BADI DURG 491001 दर्ज किया गया है। मेरे नाम से जारी किया गया आधार कार्ड में मेरा घर का पता मकान नंबर-116, गायत्री वार्ड नंबर-25, दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 491001 दर्ज हो गया हैं। मेरा पता BEHIND APSARA SANTRA BADI DURG 491001 एवं मकान नंबर-116, गायत्री वार्ड नंबर-25, दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.) 491001 हैं, जो कि दोनों ही पता एक ही व्यक्ति अर्थात मुझ शपथकर्ता का ही नाम हैं। मैं इस शपथ-पत्र के माध्यम से चाहता हूँ, मेरा सही व मान्य नाम एवं पता-राकेश गोयल (RAKESH GOYAL) आत्मज-किशन लाल गोयल (KISHAN LAL GOYAL) उम्र लगभग 37 वर्ष, निवासी मकान नंबर-116, 2 गायत्री वार्ड नंबर-25. दुर्ग तहसील व जिला-दुर्ग (छ०ग०) 491001 हैं, जो कि इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाता हूँ।

शपथकर्ता

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग !!

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र./ /अ-74/वर्ष 23/24

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया आवेदक / आवेदिका देवश्री साहू पिता/पति श्री सोहन लाल साहू निवासी रूद्री तहसील धमतरीव जिला- धमतरी (छ.ग.) के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 273/79, रकबा 0.0260 हे. भूमि जो कि आवेदक / शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र चालान की मूल प्रति, बैंकों द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण पत्र, थाना की रिपोर्ट व राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी पता का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15/07/24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 25/06/24 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।
जारी दिनांक -25/06/24
सुनवाई दिनांक - 15/07/24

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00038 पोटियाकला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी 202324430104600136

//ईश्तहार//

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00038 के अंतर्गत ग्राम पोटियाकला के वर्तमान भूमिस्वामी अनिता चौधरी ध.प. स्व. परितोष कुमार चौधरी पिता/पति-शर्मिष्ठा चौधरी पिता स्व. परितोष कुमार चौधरी पता-, विराजिता चौधरी पिता स्व. परितोष कुमार चौधरी पिता/पति-पता-आदर्शनगर दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 92/42 (0.0230) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता विराजिता चौधरी पिता स्व. परितोष कुमार चौधरी पिता/पति- पता- आदर्शनगर दुर्ग, श्रीमती शर्मिष्ठा चौधरी पिता/पति-स्व. परितोष कुमार चौधरी पता-आदर्शनगर दुर्ग के नाम पर पंजीयन / फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 15/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जायेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

//उद्घोषणा//

पं.नं. 202406100400409 / अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामबाई सिन्हा अन्य 09 आ./पति ईश्वरी प्रसाद निवासी कसारीडीह दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम धनोरा प.ह.नं. 93 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 764/8 रकबा 0.010 हे. 1575 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वंय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ।।

//ईश्तहार//

रा.प्र.क./ 16 /अ-20(4)/ वर्ष 2023-24

आवेदिका श्रीमती आर. थंकामणी पति स्व. पी. के. दामोदरण निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का टु. प्लाट नं. एम.आई.जी 1/913 रकबा 150 वर्गमीटर धारक आर. थंकामणी पति स्व. पी. के. दामोदरण निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के पट्टे की वैधता मार्च 2038 तक है। आवेदिका द्वारा उक्त भूखण्ड को क्रेता श्रीमती ढालेश्वरी देशमुख पति शोभाराम देशमुख निवासी ग्राम सिंगारपुर फरदबोड़ जिला बालोद के पास विक्रय करने हेतु इकरारनामा निष्पादित की है। आवेदिका द्वारा उक्त भूखण्ड के विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (अण्डा)

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00029 निकुम ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- सीजी-2024-25-111-1-1740

//ईश्तहार//

तहसील दुर्ग के प.ह.नं. 00029 के अंतर्गत ग्राम निकुम के वर्तमान भूमिस्वामी SUBHADRA BAI पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM, UMA AMRIT पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 244 (2.0600), 1082 (0.0100), 302 (0.1500), 1139 (0.0500), 1073 (0.0200), 1084 (0.0100), 1143 (1.2700), 1080(0.0200), 1081 (0.0100), 1085 (0.0100), 1090/1 (0.2200) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता MADHAV PRASAD पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM, PARMANAND पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM, SARAYU PRASAD पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग (अंडा) पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 3

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00027 खाड़ा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- सीजी-2024-25-111-1-1739

//ईश्तहार//

तहसील दुर्ग के प.ह.नं. 00017 के अंतर्गत ग्राम खाड़ा के वर्तमान भूमिस्वामी SUBHADRA BAI पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM, UMA AMRIT पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 279 (0.0800), 257 (0.7600), 198/1 (0.4800), 255 (0.3400), 256 (0.1600), 171/1 (0.0700) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता MADHAV PRASAD पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM, PARMANAND पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM, SARAYU PRASAD पिता/पति-ISHWARI PRASAD पता-GRAM-NIKUM के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 3 पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 24/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग 3

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्रमांक- 06, रायपुर (छ.ग.)

--:: निविदा आमंत्रण सूचना ::--

क्रमांक 17/न.पा.नि./ जोन क्रमांक - 06/2024-25 — रायपुर, दिनांक 03/07/2024

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित SOR (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई-रजिस्ट्रेशन डी एवं उससे ऊपर) / फर्म एवं संस्था / एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफ अ में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं ब में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है।

संबंधित कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 18/07/2024 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनांक 24/07/2024 तक पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाये दिनांक 25/07/2024 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	आगणित राशि रू (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर.	समय अवधि
1.	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 61 अंतर्गत मठपुरैना दुर्गा चौक स्थित दुर्गा मंच का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य।	प्रथम	संधारण मद	2.00	2000.00	300.00	PWD Building SOR 01.01..2015	02 माह
2.	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 61 अंतर्गत भाठागांव हनुमान मंदिर के पास स्थित चबुतरा का मरम्मत कार्य	प्रथम	संधारण मद	2.00	2000.00	300.00	PWD Building SOR 01.01..2015	02 माह
3.	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 61 अंतर्गत नंदी चौंक एवं कदम चौक स्थित चबुतरा का मरम्मत कार्य ।	प्रथम	संधारण मद	2.00	2000.00	300.00	PWD Building SOR 01.01..2015	02 माह
4.	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 61 अंतर्गत कसेर बाडा संगम चौक स्थित चबुतरा का मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	2.00	2000.00	300.00	PWD Building SOR 01.01..2015	02 माह
4.	महामाया मंदिर वार्ड क्र. 65 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर नाली पुलिया एवं रोड मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	2.00	2000.00	300.00	PWD Building SOR 01.01..2015	02 माह

-:: निविदा से संबंधित अन्य जानकारी व शर्ते ::-

कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:-

लिफाफा अ में :-

(1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ. डी. आर (निविदा खोलने तिथि तक वैध होना चाहिए) मूलप्रति ।
(2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैध पंजीयन की प्रति।
(4) बैंक साल्वेंसी की प्रति। (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षो का आईटीआर एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का जीएसटीआर की प्रति ।

लिफाफा ब में :-

(1) निविदा प्रपत्र

शर्तें :- (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार/फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रं. 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

पूर्व में बने 50 हजार आयुष्मान कार्ड मितानीन घर-घर जाकर बांटेगी

भिलाईनगर (समय दर्शन)। शासन की अति महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सभी नागरिको के स्वास्थ्य से जुड़ा है। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत पूर्व में बनाये गये 50 हजार आयुष्मान कार्ड बन कर आ गया है। आयुष्मान कार्ड मितानीन घर-घर जाकर वितरण करेगीं। बीपीएल आयुष्मान कार्ड से 5 लाख तक का एवं सामान्य आयुष्मान कार्ड से 50 हजार तक का ईलाज नि:शुल्क करा सकते है। पहले का बना स्मार्ट कार्ड अब नहीं चलेगा, नया आयुष्मान कार्ड बनवाना ही पड़ेगा। 2018 के बाद का बना आयुष्मान कार्ड पर ईलाज होगा, उन्हे दुबारा बनवाने की आवश्यकता नहीं है।

विशेष प्रकार के ईलाज हेतु मुख्य मंत्री जी के पास आवेदन देने से स्वीकृति के अनुसार इलाज हो सकता है । जिसमे 25 लाख तक का ईलाज नि:शुल्क कराया जा सकता है। आयुष्मान कार्ड से 3 हजार प्रकार के बिमारियो का ईलाज अब हो सकता है। पहले के शिकायतो को आधार मानकर अब अन्य अस्पतालो में दांत का ईलाज, डिलिवरी आंख एवं 163 सामान्य बिमारियों का ईलाज नहीं हो सकता है। भिलाई के नागरिकों लिए अच्छा समाचार है शासन के विशेष पहल पर जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय सेक्टर 9 में ही डिलिवरी, दांत एवं ऑख का ईलाज अब आयुष्मान कार्ड से हो सकता है। आयुष्मान कार्ड हितग्राही के मोबाईल में दर्ज है, तो फोटो देखकर भी आयुष्मान कार्ड से ईलाज हो सकेगा।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने बताया कि प्रत्येक परिवार के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाना आवश्यक है। यह शासन की अति महत्वकांक्षी योजना है। लगभग 1.75 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाना शेष है। जिसके लिए कर्मचारियो की डयूटी लगाई गई है। मितानीन घर-घर जाकर पुराने आयुष्मान कार्ड को वितरित करेगी।

पाटन शिक्षा विभाग का एक और उपलब्धि, सेजस जामगांव आर के चित्रकांत इंस्पायर अवार्ड के लिए चयनित

- राज्य में 16 बच्चो का चयन, दुर्ग जिला से सिर्फ पाटन ब्लॉक का उपलब्धि

पाटन (समय दर्शन)। इंस्पायर अवार्ड 2022-23 में स्वामी आत्मानंद जामगांव (क्र) के चित्रकांत साहू पिता छबिलराम साहू कक्षा 10 ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई ,जिनका प्रोजेक्ट मॉडल बजट डिटेक्टर शॉपिंग बास्केट है । छात्र ने जिला स्तर के इंस्पायर अवार्ड प्रदर्शनी में चयन के पश्चात राज्य स्तर में पूरे दुर्ग जिले का नाम रोशन किया है ।राष्ट्रीय स्तर के लिए, राज्यस्तर पर 16 बच्चों का चयन हुआ है ।उसमे सेजस जामगांव आर के बच्चों का चयन होना पाटन सहित पूरे दुर्ग जिले के लिए गौरव का विषय है ,इस उपलब्धि में गाइड टीचर अंजली मौर्य ,और नंदा सोनी का विशेष योगदान रहा ।इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षाधिकारी पाटन श्री प्रदीप महिलांगे , प्राचार्य श्री राजेश पिल्लई ,समन्वयक रूपेश साहू , श्री ओमप्रकाश वर्मा,श्रीमती चेतना ठाकुर , विनीता सुधीर ,दीपिका मारकंडे ,नीलाक्षी मुखोपाध्याय, दीप्ति प्रधान एवं समस्त शाला परिवार की ओर से बधाई एवम शुभकामनाएं दिया गया।

गौरव पथ निर्माण कार्य मे बरती जा रही भारी अनियमितता, स्टीमेट के आधार पर नहीं हो रहा निर्माण कार्य

बसना (समय दर्शन)। बसना शहर के नागरिकों की बहुप्रतीक्षित मांग पर नगरीय प्रशासन छ ग शासन के द्वारा गौरव पथ निर्माण कार्य हेतु 29 करोड़ 10 लाख रुपये स्वीकृत होकर निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है लेकिन निर्माण कार्य में घोर लापरवाही किये जाने की बात सामने आई है।

बता दें कि जब से छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आया तब से बसना नगर की जनता के द्वारा गौरव पथ निर्माण कार्य की मांग की जा रही थी। जनता की मांगों के अनुरूप 23 वर्षों बाद गौरव पथ निर्माण कार्य स्वीकृत होकर निर्माण प्रारंभ हो चुका है। बसना शहर के सभी नागरिकों की एक ही उम्मीद है गौरव पथ का निर्माण मजबूती से हो लेकिन इसके विपरीत ठेकेदार के द्वारा मनमाने ढंग से नगरीय निकाय के द्वारा जारी तय मापदंडों को किनारे कर निर्माण कार्य में लापरवाही करते हुए कार्य किया जा रहा है। गौरव पथ निर्माण कार्य स्टीमेट के आधार पर नहीं हो रहा है ।नाली निर्माण कार्य में जहां पर 12 इंच के छड़ का इस्तेमाल होना चाहिये वहां पर 08 इंच लगाया जा रहा है। नाली निर्माण के नीचे बेस नहीं डाला जा रहा है। नाली निर्माण कार्य में जाली लगाकर छड़ को बांधा जाना चाहिये परन्तु यह भी नहीं हो रहा है। सड़क निर्माण कार्य में निम्न स्तर के गिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है।

तीन माह बीत चुका पोल हटा नहीं : नगरीय निकाय के द्वारा सीमेंट और लोहे के खंभों को हटाने का ठेका दिया गया है लेकिन तीन माह बीत जाने के बावजूद एक भी खंभा नहीं हटा है ऐसा क्यों ? यहां तक की सड़क के बीच से पोल हटा ही नहीं और निर्माण हो चुका। ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है कि सड़क निर्माण कार्य में घोर अनियमितता बरती जा रही है।

गौरतलब है कि बसना शहर के फुलझर पेट्रोल पंप के पास में गौरव पथ निर्माण कार्य का नजारा देख सकते हैं जहां ट्रांसफार्मर बगैर हटाये नाली का निर्माण दो पोल के बीचोंबीच कर दिया गया है।

सड़क चौड़ीकरण को लेकर अपनाया जा रहा दोहरा मापदंड : उल्लेखनीय है कि गौरव पथ निर्माण में चौड़ीकरण को लेकर नगरीय प्रशासन के द्वारा दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है यह बहुत बड़ा सवाल है ? सड़क के मध्य भाग से किनारे तक नियमानुसार 60 फीट तक चौड़ीकरण किया जाना है लेकिन कहीं पर 54 फीट, 56 फीट तो कहीं 60 फीट लिया जा रहा है ।स्टीमेट के आधार पर निर्माण कार्य नहीं हो रहा है इससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण में भारी धांधली कर भ्रष्टाचार किये जाने की आशंका है, जिसकी आवश्यक रूप से जांच होनी चाहिये ताकि सच्चाई सामने आये और इसका पर्दाफाश हो। बसना क्षेत्र के नागरिकों की मांग है कि गौरव पथ का निर्माण कार्य मजबूती से हो।

इस संबंध में नगर पंचायत के सब इंजीनियर भीष्म प्रधान से संचार के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश की गई परंतु उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

संकुल केंद्र में मना प्रवेशोत्सव, बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संकुल केंद्र उपरवाह में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस आयोजन की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिक्षा सूर्यकांत भंडारी ने बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया। उन्होंने यहां उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि, बच्चों को आवश्यक रूप से शिक्षा हेतु प्रेरित करें। स्वयं भी उनके साथ इससे जुड़ें, बच्चों के साथ परिजन उनके पठन-पाठन में शामिल हों। स्वाभाविक रुप से इससे बालक-बालिकाओं को सहायता तो मिलेगी ही वे इसमें और भी रुचि लेने लगेंगे। पठन-पाठन उत्साह का विषय है जो कि बना रहना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों का अभिवादन करते हुए कहा कि, आप सभी के कंधों पर सैकड़ों परिजनों की आशाओं का भार है। वे आप पर स्वयं से अधिक विश्वास प्रकट करते हैं और आपको सरस्वती माता का दूत मानते हैं। शिक्षकों को भी इन उम्मीदों पर खरा उतरना है।

उक्त कार्यक्रम में सरपंच पुनिता नागेश्वर साहू, पंच देवता साहू, खुशबू धनकर, ईश्वर साहू, मोनिका धनकर, हेमलता साहू, मेहतरीन यादव, हीरा निषाद, तामेश्वरी साहू, कलिराम साहू, मनीराम साहू, गणेश विश्वकर्मा, सुरेश साहू, प्रेमसुख साहू, रामखेलन साहू, ग्वालराम साहू, तिलक साहू, प्राचार्य देवा लहरे, संकुल समन्वयक सोहन वर्मा, माध्यमिक शाला प्रधान पाठक बीआर साहू व संकुल के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

भंवरपुर अटल चौक स्थित खसरा नं. 822 एवं 834 की भूमि को बचाने एक हुए ग्रामीण

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत उफ तहसील मुख्यालय भंवरपुर के अटल चौक स्थित खसरा नंबर-834 जिसका रकबा-0:10हेक्टेयर भूमि अब विवादों के घेरे मे पड गया है।

गाँव वालों की माने तो आज से लगभग 54 वर्ष पहले सन् 1971 -72 मे सरायपाली के मोतिया सेठ द्वारा भंवरपुर मे देशी शराब दुकान चलाने उक्त भूमि को एक वर्ष के लिए भंवरपुर के तात्कालीन पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्राम प्रमुखों की रायशुमारी से लीड पर लिया था। उस समय शराब के व्यापार मे मुनाफा देखकर लीज के समय सीमा को आगे बढाया गया। एक लंबे अंतराल तक उस स्थान मे व्यापार करते हुए कूटरचना से उक्त भूमि को मोतिया सेठ अपने नाम से पट्टा बना लिया है। गाँव वालों को पता चलने पर सैकडो ग्रामीण इकट्ठा हो कर इसका विरोध करते भंवरपुर मण्डी प्रांगण में सबकी राय ली गयी है ।जिस पर गाँव वालों का साफ कहना है ।यह भूमि संपूर्ण भंवरपुर वासियों का हैं जहाँ भंवरपुर के रचनात्मक कार्यों के लिए उपयोग मे लगना चाहिए ।

बैठक के दौरान ग्रामवासियों द्वारा बैठक में भंवरपुर अटलचौक स्थित खसरा नं. -834 रकबा -0.10 हे0 एवं खसरा नं.- 822 रकबा-0:06हेक्टेयर की सार्वजनिक हित की पंचायती भूमि में शासन प्रशासन से मिळकर सराय ?पाली निवासी मोतिया अग्रवाल ? ने अपने नाम ? से काबिज कर उसे अपने वारिशानों के ? नाम से रिण-पुस्तिका बनवाया गया है ।जिसकी जानकारी होने पर सभी ग्रामवासी एकत्रित हुए और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि, एक ग्राम विकास समिति भंवरपुर का निर्माण किया गया। जिनके देख-रेख में सड़क से लेकर न्यायालय तक ग्राम की हित के लिए लडाई लड़ने की तैयारी किया गया है।

विदित हो कि इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि, ग्राम भंवरपुर के उक्त भूमि को मोतिया अग्रवाल द्वाराअपने वारिशान विजयलक्ष्मी अग्रवाल के नाम पर पट्टा बनवाकर विक्री करने की तैयारी की जा रही है, जिसके विरोध में शासन प्रशासन में इसकी शिकायत की जा चुकी है ।

लेकिन अब हम ग्रा ?मीणो द्वारा सडक से लेकर न्यायालय तक की लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया गया है। ग्राम विकास समिति भंवरपुर बनाया गया..पदाधिकारी निम्नांकित ग्राम प्रमुख रहेंगे... लीलाकांत पटेल,मनोज पटेल,पूरन लाल पटेल,महेन्द्र पटेल,श्रवण पटेल,हलधर पटेल,विजय पंसारी, मोहन देवांगन, लालचंद वैष्णव,भोज प्रधान, कुबेरचरण नायक, नरोत्तम भोई, अशोक डडसेना, धनीराम चौहान, सा ळिकराम,जीतू वैष्णव,लवकुमार पटेल, डंकेश देवांगन, गिरीलाल पटेल, खगेश पटेठ एवं ग्राम के सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।

सेलूद शामिलात चारागान की भूमि को मूल किसान को वापस दिलाने जिलाधीश दुर्ग को आवेदन प्रस्तुत किया - महेश्वर बंछोर

- चारागाह की जमीन पर अवैध कब्जाधारियों को संरक्षण देने वाले राजनीति रसूखदारों के ऊपर हो एफआई आर

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम सेलूद के लगभग सैकड़ो किसानो के द्वारा अपने निजी भूमि जो कि लगभग एक सौ अस्सी एकड़ को प्रशासन के आदेशानुसार शामिलात चारागान हेतु दान किए है। जो कि भारतीय कानून व्यवस्था के तहत उस जमीन को जानवरो के चारा (भोजन) के लिए आरक्षित किया गया था।

उपरोक्त शामिलात चारागान की जमीन पर अनेकों लोगो के द्वारा अवैध रूप से आवास एवं दुकान बनाकर कब्जा कर लिया गया है। जिसे रोकने के लिए कई बार प्रशानिक रूप से प्रयास किया जा चुका है। किन्तु अवैध कब्जा रुकने के बजाय दिन प्रतिदिन और बढ़ते जा रहा है। जिस प्रकार से शामिलात चारागान की भूमि पर अवैध कब्जाधारियों का हौसला बुलंद होते जा रहा है उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि एक समय के बाद पूरा एक सौ अस्सी एकड़ भूमि पर अवैध कब्जाधारियों का कब्जा हो जाएगा और जिस उद्देश्य के लिए प्रशासन ने किसानो से जमीन लिए थे वह उद्देश्य निरर्थक हो जाएगा। चूंकि उक्त शामिलात चारागाह भूमि में सेलूद के वर्तमान किसानों के पूर्वजो के द्वारा भी चारागाह के लिए भूमि प्रदान किए है। इसलिए सभी पूर्वजो की भूमि को वर्तमान वारिस को वापस किया जाय । जानकारी के अनुसार शामिलात चारागाह की भूमि का सर्वाधिकार जिलाधीश के पास होता है किन्तु माननीय जिलाधीश के द्वारा भी अभी तक अवैध कब्जाधारियों से शामिलात चारागान की भूमि को मुक्त नहीं करा पाई है। अवैध कब्जाधारियों को राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त होते रहता है, इसलिए हौसले बुलंद है। जो भी स्तर के जनप्रतिनिधि राजनीतिक रूप से संरक्षणकर्ता पाये जाने की स्थिति में उन पर भी भारतीय न्याय सहिता के अनुसार कड़ी कार्यवाही किया जाय । वापस की गई भूमि की किसान स्वयं सुरक्षा कर सके और अवैध कबजाधारियों से बचाकर सुरक्षित रख सके द्य जानवरो के लिए आरक्षित भूमि को जल्द से जल्द अवैध कब्जाधारियों से मुक्त कराकर मूल किसानो को वापस किया जाय एवं सभी कब्जाधारियों के ऊपर जुर्माना के साथ साथ दंडनात्मक कार्यवाही किया जाय। कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में माननीय न्यायालय की शरण मे जाने को सभी किसान मजबूर होंगे द्य उक्त अवसर पर भूमिदान किसान दाऊ महेश्वर बंछोर, सुरेंद्र बंछोर, टॉमन लाल साहू, तारेंद्र बंछोर उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

जिला पंचायत सीईओ पहुंचे सांकरा, बिहान समूह के महिलाओं से किया भेंट

पाटन (समय दर्शन)। जिला पंचायत दुर्ग के सीईओ अश्विनी देवांगन आज पाटन ब्लॉक के दौरे पर रहे । ग्राम साकरा पहुंचे जहां पर बिहान समूह के महिलाओं से चर्चा किया। रीपा केंद्र में किया जा रहे हैं कार्यों का अवलोकन किया । इसके अलावा उन्होंने वहां पर पहले से किए गए पौधरापन का जायजा भी लिया। महिलाओं के कार्य की सराहना भी की। इसके अलावा जिला पंचायत सीईओ श्री देवांगन औरी भी पहुंचे। यहां पर भी उन्होंने पौधारोपण में शामिल हुआ। ग्राम स्न्द्धश्हृ में गौठान के पास शासकीय भूमि पर पौधारोपण किया गया वहीं औरी में भी उन्होंने निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से एडिशनल सीईओ श्वेता यादव, मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारी डालीम लता, बिहान के प्रभारी अंकित शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बरगांव की शासकीय प्राथमिक शाला स्कूल का भवन जर्जर

रायपुर (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत बिसाटोला के आश्रित ग्राम बरगाव ब्लॉक लोहारा ,जिला कवर्धा के ग्राम बरगांव के शा.प्राथमिक शाला भवन अति जर्जर (डिस्मेंटल) हो गया है जिस कारण से बच्चो को अतिरिक्त कक्ष में पढ़ाई करना पड़ रहा है जिसमे एक ही रूम में 1 से 5 वी तक के बच्चे पढ़ाई कर रहे है। जिस कारण से बच्चे को पढ़ाई करने में समस्या हो रही है। इस समस्या की शिकायत लिखित में विधायक भावना बोहरा को जनवरी महीने में ही अवगत कराने के बाद भी अभी तक इस समस्या का किसी भी प्रकार का विधायक भावना बोहरा के द्वारा जांच नही किया गया है।

ग्राम बिसाटोला की सड़क खस्ताहाल, राहगीर परेशान

रायपुर (समय दर्शन)। यह रोड ग्राम पंचायत बिसाटोला,ब्लॉक लोहारा , जिला कवर्धा की है जो में रोड यात्री प्रतिक्षालय (केवट कुंदरा) से ग्राम पंचायत बिसाटोला जाना के लिए यह एकलौता रोड है इस रोड से बच्चे स्कूल जाते है । आस पास के लगभग 50 से अधिक गांव वाले राहगीर इसी रोड से आते जाते है। बारिश के समय में कीचड़ व गड्ढो में पानी भरने के कारण बार बार गाड़ियों से दुर्घटना होते रहता है। किसी दिन जानलेवा बड़ी दुर्घटना न हो इसका डर सदा लगा रहता है। इस रोड निर्माण की मांग 15 से 20 वर्षो से करते आ रहे है लेकिन अभी तक इसका कोई निराकरण नहीं किया गया है।

वृक्षारोपण अभियान चलाएगी संगम सेवा समिति

सरायपाली (समय दर्शन)। संगम सेवा समिति द्वारा सेवा कार्य की कड़ी में विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम सराईपाली नगर छेत्र में किया जाना है कार्यक्रम मोदी जी के एक पेड़ माँ के नाम से प्रेरित है जिसकी टैग लाइन एक घर एक वृक्ष है जिसके तहत सराईपाली के समस्त वॉर्डो में प्रत्येक घर में एक पौधे का वितरण किया जाना है मीडिया से बात करते हुए समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमारा उद्देश्य लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है एवं नयी पीढ़ी को युवाओ को पर्यावरण के महत्व को समझा कर वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना है संगम सेवा समिति द्वारा यह कार्य एक अभियान के रूप में किया जाएगा जिसके तहत किसी भी संस्थान स्कूल कॉलेज निजी संस्थान ग्रामीण छेत्र संगम सेवा समिति के हेल्पलाइन नंबर 9926141516 पर संपर्क कर के अपने संस्थान पर वृक्षारोपण करवा सकते है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24